www.tamsasanket.com
वर्ष: 30 || अंक 308 || अम्बेडकरनगर
मंगलवार
03 फरवरी 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 06:51
सूर्यास्त: 05:59
अधिकतम: 22°00
न्यूनतम: 13°00

पेज 07

विशेष समाचार कहीं यूपी में योगी को घेरने ... >> पेज 04 | जिस्मफरोशी के लिए नेपाल... >> पेज 06 | 'मोटी फीस लेकर सिनेमा ...

चीनी टैंक लद्दाख पहुंचे : राहुल

राहुल गांधी ने लोकसभा में चीनी घुसपैठ का मुद्दा उठाया, राजनाथ और शाह भड़के, सदन स्थगित

- ओम बिरला ने कहा कि अखबार की कटिंग ही सदन में चल सकती है, इसके अलावा कुछ नहीं रख सकते।
- राहुल ने कहा, ये सब नरवणे ने कहा है। उनकी किताब को प्रकाशित नहीं करने दिया गया है।
- अमित शाह ने कहा- राहुल ने खुद कह दिया है कि पुस्तक प्रकाशित नहीं हुई है। अब बात ही खत्म हो जाती है। जो बुक पब्लिश ही नहीं है उसका जिक्र कैसे कर सकते हैं।
- राजनाथ सिंह ने कहा- मैं केवल यह चाहता हूं कि राहुल जी वह किताब ले आएं मैं देखना चाहता हूं। मैं दावे से कह रहा हूं कि वह किताब पब्लिश ही नहीं है।
- राहुल गांधी ने कहा- एक मैगजीन है उसमें एक आर्टिकल है मैं उसको कोट कर रहा हूं।
- अखिलेश यादव ने कहा, चीन का सवाल सेंसेटिव है। अगर देश की सुरक्षा से जुड़ा मामला है तो राहुल जी को पढ़ने देना चाहिए।
- किरेन रिजिजू ने कहा- हम सुनने के लिए बैठे हैं। अध्यक्ष रूलिंग दे चुके हैं। लेकिन फिर भी वे पढ़ रहे हैं। ऐसे कैसे चलेगा।
- ओम बिरला ने कहा- सदन में अपनी बात रखने का अधिकार है। लेकिन नियम से चलें।

हंगामा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । लोकसभा में सोमवार को राहुल गांधी के भाषण के दौरान जोरदार हंगामा हुआ। राहुल ने पूर्व आर्मी चीफ जनरल नरवणे की अनपब्लिश्ड किताब का हवाला देते हुए कहा- 4 चीनी टैंक लद्दाख सीमा में पहुंच गए थे।

राहुल के ऐसा कहते ही पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और फिर गृह मंत्री शाह ने उन्हें टोका। इसके बाद स्पीकर ने नियमों का हवाला देते हुए उन्हें रोका। राहुल करीब 46 मिनट तक अपनी बात कहने की कोशिश करते रहे। इसके बाद स्पीकर ने लोकसभा की कार्यवाही 3 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

दोपहर 3 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही राहुल ने बोलना शुरू किया। लेकिन हंगामे के चलते महज 9 मिनट बाद ही कार्यवाही शाम 4 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

शाम 4 बजे भी कार्यवाही शुरू होते ही फिर हंगामा हुआ और 11 मिनट बाद कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी गई।

राहुल गांधी को राजनाथ ने 11 बार, शाह ने 7 बार टोका। इसके अलावा किरेन रिजिजू ने 2 बार और अनुराग ठाकुर ने 6 बार रोका।

नरवणे ने कहा, 'यह पूरी तरह से एक सैन्य फैसला होने वाला था। मोदी से सलाह ली गई थी। उन्हें ब्रीफ किया गया था, लेकिन उन्होंने फैसला लेने से मना कर दिया था। अब पूरी जिम्मेदारी मुझ पर थी।'

>> (शेष पेज 06 पर)

राहुल ने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर अपनी बात रखी।

नरवणे की आत्मकथा 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी', पब्लिश नहीं हुई

राहुल गांधी संसद में जिस किताब के आधार पर डोकलाम में चीनी टैंक घुसने का दावा कर रहे हैं, वह पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल एमएम नरवणे ने लिखी है। 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' नामक यह किताब अभी पब्लिश नहीं हुई है। इसका हार्डकवर अप्रैल 2024 से ऑनलाइन शॉपिंग साइट्स पर उपलब्ध है। किताब में चीन के साथ भारतीय सेना की 2020 की झड़पों के साथ-साथ अग्निवीर योजना को रिव्यू किया गया है। नरवणे 2019 से 2022 तक सेना प्रमुख रहे हैं। उन्होंने पिछले साल कसौली में आयोजित खुशवंत सिंह लिस्टरेचर फेस्टिवल में बताया था कि उन्होंने अपनी किताब पेंग्विन पब्लिशर ग्रुप को छपने के लिए दे दी है। अब यह पब्लिशर्स और सरकार के बीच का मामला है। किताब रक्षा मंत्रालय को मंजूरी के लिए भेजी गई है। एक साल से ज्यादा हो चुका है लेकिन इसे पब्लिश करने की मंजूरी नहीं मिली है।

कांग्रेस ने एक मैगजीन में पब्लिश आर्टिकल के पेज सोशल मीडिया एक्स पर शेयर किए। इसमें पूर्व आर्मी चीफ की अनपब्लिश बुक भाग्य के चार सितारे के अंश हैं। इसमें 31 अगस्त 2020 को लद्दाख सीमा पर भारत-चीन के बीच बने हालात का जिक्र है। बताया जब चीनी टैंक पूर्वी लद्दाख में बढ़ रहे थे तब क्या हुआ?

अमित शाह ने भी विरोध किया

इस बीच शाह ने कहा कि राहुल गांधी जो बता कह रहे हैं वह एक पत्रिका में प्रकाशित हुई है और नरवणे जी ने ऐसा कुछ नहीं कहा और पत्रिका कुछ भी लिख सकता है। इस पर राहुल ने कहा कि यह सब नरवणे जी ने कहा है और उनकी किताब को प्रकाशित नहीं होने दिया गया है। इस पर शाह बोले कि जो किताब प्रकाशित ही नहीं हुई है, उसका जिक्र कैसे किया जा सकता है।

राजनाथ सिंह ने क्या कहा?

राजनाथ सिंह ने सदन में इसका विरोध करते हुए कहा कि वह अप्रकाशित₹ पुस्तक से उद्धरण नहीं दे सकते और उनसे सदन के समक्ष इसकी प्रामाणिकता साबित करने को कहा। उन्होंने कहा, नेता प्रतिपक्ष को इस विषय पर बोलने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए...मैं चाहता हूं कि लोकसभा के विपक्ष (राहुल गांधी) सदन के समक्ष वह पुस्तक प्रस्तुत करें जिसका वे हवाला दे रहे हैं, क्योंकि जिस पुस्तक का वे जिक्र कर रहे हैं वह प्रकाशित नहीं हुई है।

पुणे पोर्शे एक्सीडेंट केस-सुप्रीम कोर्ट से 3 आरोपियों को जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 2024 के पुणे पोर्शे एक्सीडेंट मामले में तीन आरोपियों को जमानत दी। कोर्ट ने ब्लड सैंपल बदलने की साजिश में आरोपी आशीष मित्तल, आदित्य सूद और अमर गायकवाड़ को जमानत देते हुए कहा कि इसका मतलब आरोपों से बरी करना नहीं है। जमानत के बावजूद ट्रायल पूरी तरह मेरिट के आधार पर चलेगा। जस्टिस नागरत्ना ने कहा- दो बेगुनाह जानें चली गईं और फिर साजिशें हुईं। आपके पक्ष में सिर्फ यही है कि आप लंबे समय तक जेल में रहे। इस हादसे में दो लोगों की मौत हुई थी और बाद में सबूतों से छेड़छाड़ की साजिश के आरोप सामने आए थे। इस दौरान कोर्ट ने माता-पिता की जिम्मेदारी को लेकर भी कड़ी टिप्पणी की। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि बच्चों को बिना नियंत्रण कार और पैसे देना गंभीर सामाजिक समस्या है।

जाति गणना केवल सेल्फ डिक्लेरेशन से नहीं होनी चाहिए सत्यापन जरूरी

एससी ने केंद्र और अधिकारियों से विचार करने को कहा

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि 2027 की जनगणना में जाति गणना सिर्फ सेल्फ डिक्लेरेशन के आधार पर नहीं होनी चाहिए। इसके बजाय इसे किसी भरोसेमंद तरीके से या सबूत के आधार पर करने पर विचार करें।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने आकाश गोयल की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि केवल बिना जांच वाले सर्टिफिकेट के आधार पर किसी को शामिल या बाहर नहीं किया जाना चाहिए। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुक्ता गुप्ता ने कहा कि वे जाति जनगणना के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन इसे सत्यापित सामग्री के आधार पर किया जाना जरूरी है। यह डेटा कई सालों तक योजनाओं, आरक्षण और नीतियों का आधार बनेगा, इसलिए यह सिर्फ आत्म-घोषणा पर आधारित नहीं होना चाहिए।

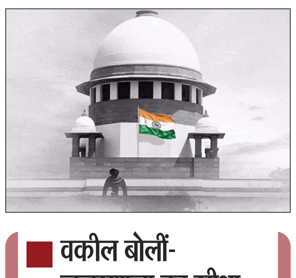

वकील बोलीं- जनगणना का सीधा असर आरक्षण पर पड़ेगा

जनगणना एक विशेष और तकनीकी प्रक्रिया है।

>> (शेष पेज 06 पर)

पुलिस ने किया सपा पार्षद को घसीटते हुए गिरफ्तार

वाल्मीकि समाज के हजारों लोगों ने थाना घेरा, 5 थानों की पुलिस तैनात

नारेबाजी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में पुलिस ने करीब 100 मीटर तक घसीटकर सपा पार्षद को गिरफ्तार किया। उनके समर्थकों को दौड़ाकर पीटा। इससे गुस्साए बड़ी संख्या में वाल्मीकि समाज के लोगों ने थाना घेर लिया। पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। हंगामा बढ़ता देखकर मौके पर 5 थानों की पुलिस बुलाई गई। DCP और ACP मौके पर पहुंचे। पार्षद को छोड़ने और मामले में उचित कार्रवाई का आश्वासन देकर लोगों को शांत कराया। करीब 4 घंटे तक हंगामा चला। घटना 2 फरवरी, सोमवार को गाजीपुर थाने की है। थाना क्षेत्र के बस्तौली गांव में कोर्ट के आदेश पर घर खाली कराने के विरोध में रामचंद्र वाल्मीकि का परिवार 31 जनवरी से धरने पर बैठा है।

>> (शेष पेज 06 पर)

मकान के मालिकाना हक को लेकर झगड़ा

बस्तौली गांव में स्थित एक मकान को लेकर विवाद है। रामचंद्र अपने परिवार के साथ मकान में रह रहे थे, जबकि कोर्ट के जरिए जितेंद्र मोहन नाम के व्यक्ति को मकान का मालिकाना हक मिला है। 31 मई 2025 को पुलिस जितेंद्र मोहन को कब्जा करवाने गई थी। रामचंद्र के परिवार और गांव वालों के विरोध के चलते पुलिस मकान नहीं खाली करवा पाई। >> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

बजट 2026- अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के लिए डिजाइन होंगे 50 शहर

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को केंद्र सरकार का साल 2026-27 के लिए बजट पेश किया। बजट में टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए कई घोषणाएं हुई।

वारदात खुलासा

महाराष्ट्र-सरपंच बनने के लिए 6 साल की बेटी का मर्डर

नांदेड़ । महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में एक शख्स पर अपनी छह साल की बेटी की हत्या का आरोप है। पुलिस ने बताया कि आरोपी राज्य में होने वाले आगामी पंचायत चुनाव में सरपंच बनने के लिए खुद को योग्य बनाना चाहता था।

पुलिस के मुताबिक, केरूर गांव का रहने वाला 28 साल का पांडुरंग कोंडमंगले के तीन बच्चे हैं। इनमें एक तीन साल का बेटा और छह साल की जुड़वां बेटियां शामिल हैं। वह गांव में विराट सैलून नाम से दुकान चलाता था। वह पंचायत चुनाव में सरपंच का चुनाव लड़ना चाहता था।

राजस्थान-एमपी में ओले गिरे

भोपाल/जयपुर/शिमला/श्री-नगर/देहरादून । उत्तर भारत का मौसम फिर बदल गया है। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में रविवार शाम से देर रात तक बर्फबारी और बारिश हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक लगातार दो वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से 3 फरवरी तक हिमालयी राज्यों जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड में बारिश और बर्फबारी होगी।

'वांगचुक लद्दाख को नेपाल बांग्लादेश बनाना चाहते थे'

सुप्रीम कोर्ट में कहा वह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि सोनम वांगचुक लद्दाख को नेपाल या बांग्लादेश जैसा बनाना चाहते हैं। ऐसे व्यक्ति को और जहर उगलने की इजाजत नहीं दी जा सकती।

जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच लद्दाख हिंसा मामले में एक्टिविस्ट वांगचुक की गिरफ्तारी के खिलाफ याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इस दौरान केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, वांगचुक के भाषण में राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा सीधा खतरा दिखता है। जिला मजिस्ट्रेट (DM) ने हालात को देखते हुए गिरफ्तारी का सही फैसला लिया। मेहता ने कहा कि नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे उदाहरण देना, युवाओं को भड़काने और देश की एकता के खिलाफ माहौल बनाने के बराबर है।

>> (शेष पेज 06 पर)

पत्नी गीतांजलि बोली थीं- अधिकारियों ने सही फैसला नहीं किया

यह बजट नागरिकों में कर्तव्यबोध, विकास की गति और आत्मगौरव की भावना को मजबूत करता है : योगी

'विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करता है केंद्र बजट'

प्रगति

हेमन्त कृष्णा

तमसा संकेत, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्र सरकार के वर्ष 2026-27 के बजट को नए भारत और नए उत्तर प्रदेश की दिशा तय करने वाला दस्तावेज करार दिया। उन्होंने कहा कि यह बजट नागरिकों में कर्तव्यबोध, विकास की गति और आत्मगौरव की भावना को मजबूत करता है।

>> (शेष पेज 06 पर)

योगी ने बताया कि देश की सबसे अधिक, करीब 96 लाख एमएसएमई इकाइयां उत्तर प्रदेश में हैं, जिनसे तीन करोड़ से अधिक लोग जुड़े हैं। एक जिला एक उत्पाद योजना को नई तकनीक, प्रशिक्षण, पैकेजिंग और निर्यात से जोड़ने में यह फंड मील का पत्थर साबित होगा।

'नेशन फर्स्ट' की सोच और कर्तव्य का संदेश

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'नेशन फर्स्ट' की भावना के साथ शासन किया है। उन्होंने याद दिलाया कि 26 नवंबर 2015 को संविधान दिवस घोषित करते हुए प्रधानमंत्री ने देश को अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों की याद दिलाई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहला बजट है, जो कर्तव्य भवन से प्रस्तुत हुआ है और जो नागरिकों में राष्ट्र के प्रति दायित्व और भविष्य की जिम्मेदारी का बोध कराता है।

इंफ्रास्ट्रक्चर से बढ़ेगी आर्थिक रफ्तार

मुख्यमंत्री ने इंफ्रास्ट्रक्चर पर 20 हजार करोड़ के प्रावधान, नए रेलवे कॉरिडोर, ईस्टर्न और वेस्टर्न फ्रेट कॉरिडोर, हाई-स्पीड रेल, एक्सप्रेसवे, देश का पहला इनलैंड वाटरवे (वाराणसी-हल्दिया) और मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक हब को उत्तर प्रदेश की आर्थिक रफ्तार बढ़ाने वाला बताया। उन्होंने कहा कि वाटरवे से ट्रांसपोर्ट लागत घटेगी और उद्योगों को नई मजबूती मिलेगी।

घटना : पायलट बोला- 2 बार स्विच बंद हुआ, दावा- अहमदाबाद प्लेन क्रैश में भी यही हुआ

एअर इंडिया ड्रीमलाइनर के फ्यूल स्विच में खराबी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/लंदन । लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे से बेंगलुरु के लिए उड़ान भरने वाले एअर इंडिया के बोइंग 787-8 ड्रीमलाइन को फ्लाइट ऑपरेशन से हटा दिया गया है।

एयरलाइन के मुताबिक, फ्लाइट AI 132 को उड़ान भरनी थी, लेकिन पायलट ने बताया कि प्लेन का फ्यूल कंट्रोल स्विच इंजन स्टार्ट करने के दौरान 2 बार पोजिशन से कटऑफ हुआ। इसके बाद प्लेन को ऑपरेशन से हटा दिया गया।

प्लेन में आई खराबी की जांच में ओरिजनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर (OEM यानी बोइंग कंपनी) को शामिल किया गया है। मामले की जानकारी नागरिक उड्डयन महानिदेशालय को भी दी गई है। >> (शेष पेज 06 पर)

एफआईपी ने कहा- एआई 171 क्रैश के बाद से सेफ्टी की चिंता

फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स (FIP) के अध्यक्ष सी.एस. रंधावा ने कहा कि AI-171 हादसे के बाद से ही बोइंग 787 विमानों के इलेक्ट्रिकल सिस्टम को लेकर गंभीर सुरक्षा चिंताएं जताई जा रही हैं।

हमने सभी बोइंग 787 विमानों को ग्राउंड करके उनके इलेक्ट्रिकल सिस्टम की डिटेल्ड जांच कराने का कहा है। सामने आ रहीं घटनाएं इशारा करती हैं कि प्लेन में इलेक्ट्रिकल खराबियों की अनदेखी की गई है। उन्होंने कहा कि AI-161 में आशंका जताई गई कि TCMA में इलेक्ट्रिकल खराबी के कारण फ्यूल कंट्रोल स्विच अपने आप मूव हो गए।

>> (शेष पेज 06 पर)

एयरलाइन ने बताया कि डीजीसीए के निर्देश के बाद उसने अपने पूरे बोइंग 787 फ्लीट के फ्यूल कंट्रोल स्विच की जांच की थी, जिसमें कोई समस्या सामने नहीं आई थी। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि पिछले साल 12 जून को अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश भी फ्यूल कंट्रोल स्विच इंजन स्टार्ट करने में दिक्कत की वजह से हुआ था।

मुख्य चुनाव आयुक्त से काली शॉल ओढ़कर मिलीं ममता

बैठक से नाराज होकर निकलीं, बोलीं- ऐसा झूठा चुनाव आयुक्त कभी नहीं देखा

मुलाकात

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल की CM ममता बनर्जी ने सोमवार को स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के खिलाफ काली शॉल ओढ़कर दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार से मुलाकात की। उनके साथ SIR प्रभावित 13 परिवार और TMC के नेता भी थे।

चुनाव आयोग के अधिकारियों ने बताया कि ममता ने अपने मुद्दे CEC को बताए लेकिन उनका जवाब सुने बिना ही नाराज होकर चली गईं।

मुलाकात के बाद ममता ने कहा, ₹मैं बहुत दुखी हूं। मैं दिल्ली की राजनीति में लंबे समय से सक्रिय हूं। मैंने आज तक ऐसा अहंकारी और झूठा चुनाव आयुक्त नहीं देखा। वह इस तरह से बात करते हैं जैसे वह जमींदार हों और हम नौकर। उन्होंने हमारा अपमान किया, हमें शर्मिंदा किया।

>> (शेष 06 पर)

नई दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त से मुलाकात के बाद मीडिया से बात करतीं ममता बनर्जी।

कानून हाथ में लेने वालों पर कार्रवाई होगी

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने उनसे मिलने पहुंचे TMC नेताओं से कहा कि जो भी कानून अपने हाथ में लेगा, उसके खिलाफ कानून और चुनाव आयोग को मिली शक्तियों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

'सॉइल टू सिल्क' की जीवंत झलक देगा रेशम उद्योग का सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स

शुद्ध रेशमी वस्त्रों की पहचान और विपणन को मिलेगा एकीकृत मंच

- प्रशिक्षण, प्रदर्शन और विपणन का केन्द्र बनेगा रेशम उद्योग का एक्सीलेन्स सेंटर
- रेशम उत्पादन से रोजगार तक, पारंपरिक उद्योग को आधुनिक स्वरूप दे रही योगी सरकार

स्थापना

■ मंत्री राकेश सचान ने किया सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स' का शुभारंभ

योगी सरकार की पहल से रेशम उद्योग को मिली नई दिशा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश के पारंपरिक एवं ग्रामीण उद्योगों को आधुनिक स्वरूप देने की दिशा में निरंतर प्रभावी कदम उठा रही है। इसी क्रम में रेशम उद्योग के सुदृढ़ीकरण, शुद्ध रेशमी वस्त्रों की पहचान तथा रेशम उत्पादन की संपूर्ण प्रक्रिया से आमजन को परिचित कराने के उद्देश्य से प्रदेश में 'सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स' की स्थापना की गई है।

इस महत्वाकांक्षी केन्द्र का उद्घाटन प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान द्वारा किया गया। इस अवसर पर मंत्री श्री सचान ने कहा कि रेशम निदेशालय परिसर में स्थापित यह सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स प्रदेश के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जहां रेशम उत्पादन की पूरी श्रृंखला का प्रत्यक्ष एवं जीवंत प्रदर्शन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यहां रेशम कीट से धागा बनने की प्रक्रिया, धागाकरण एवं वस्त्र निर्माण की संपूर्ण विधि को एक ही स्थान पर देखा जा सकता है। मंत्री सचान ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार वर्ष 2022 से प्रदेश में रेशम उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

> सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स में 'सॉइल टू सिल्क' की समस्त विधाओं—नर्सरी विकास, शहतूत वृक्षारोपण, रेशम कीट पालन, कोया उत्पादन, धागाकरण से लेकर साड़ी एवं परिधान निर्माण तक—का चरणबद्ध एवं व्यावहारिक प्रदर्शन किया जाएगा। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को शुद्ध रेशम की पहचान, गुणवत्ता की समझ तथा नकली या मिश्रित रेशम से भेद करने की जानकारी देना है।

पूर्व में यह स्थल अनुपयोगी अवस्था में था

मंत्री राकेश सचान ने कहा कि पूर्व में यह स्थल अनुपयोगी अवस्था में था, जिसे विभागीय प्रयासों से आधुनिक, भव्य एवं उपयोगी स्वरूप प्रदान किया गया है। अब यह केन्द्र प्रदेश मुख्यालय पर देश-विदेश से आने वाले आगंतुकों के लिए रेशम उद्योग की पहचान का प्रमुख केन्द्र बनेगा। यहां एरी, शहतूती एवं टसर रेशम की उत्पादन प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से समझा जा सकेगा। उन्होंने कहा कि हाल ही में प्रस्तुत केंद्रीय बजट में एमएएसएमई क्षेत्र के लिए 10,000 करोड़ रुपये के ग्रोथ फंड की घोषणा की गई है, जिससे प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को व्यापक लाभ मिलेगा। उत्तर प्रदेश में लगभग एक करोड़ एमएसएमई इकाइयां कार्यरत हैं और यह क्षेत्र सबसे अधिक रोजगार उपलब्ध कराने वाला है। एमएसएमई को सशक्त किए बिना एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य प्राप्त करना संभव नहीं है।

महिला क्लर्क 5000 घूस लेते पकड़ी गई

■ हाथरस के सीएमओ ऑफिस में इंटर्नशिप के लिए मांगे थे बोली- मैं लड़के को नहीं जानती

तमसा संकेत, संवाददाता

हाथरस । हाथरस में CMO (मुख्य चिकित्सा अधिकारी) ऑफिस की एक महिला क्लर्क को 5000 रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। अलीगढ़ से आई एंटी करप्शन टीम ने उसे पकड़ा। महिला क्लर्क ने इंटर्नशिप अलॉटमेंट के नाम पर युवक से 5000 रुपए मांगे थे। लेकिन, युवक ने इसकी सूचना एंटी करप्शन टीम को दे दी। युवक ने ऑफिस में महिला क्लर्क को पैसे दिए। इसके बाद टीम ने उसे पकड़ लिया।

एंटी करप्शन टीम जब उसे पकड़कर साथ ले जाने लगी तो महिला क्लर्क ने कैमरा देखते ही कहा कि मुझे ये लोग बेवजह पकड़े लिए जा जा रहे। मैं तो उस लड़के को जानती भी नहीं। मुझे उसने वाट्सऐप पर मैसेज किया था। इसी बीच एंटी करप्शन टीम की महिला स्टाफ ने क्लर्क का हाथ पकड़ लिया। फिर उसे डांटते हुए गाड़ी में बैठने को कहा। गिरफ्तार की गई महिला क्लर्क का नाम बबीता चौहान है। वह मूलरूप से आगरा की रहने वाली है। लेकिन, अभी हाथरस में आवास विकास कॉलोनी में रहती है। बबीता सीएमओ ऑफिस में 2019 से तैनात है। उसके पति आगरा में ही एक प्राइवेट कंपनी मैनेजर के पद पर तैनात हैं। CHC में तैनात होने वाले इंटर्न की तैनाती करने की जिम्मेदारी बबीता के ही पास है।

फास्ट न्यूज

दो पक्षों में जमकर चले ईंट-पत्थर

लखनऊ । लखनऊ के तालकटोरा थाना क्षेत्र में 2 पक्षों में गांजा बेचने की शिकायत को लेकर जमकर मारपीट हुई, जिसमें दो लोगों को गंभीर चोट आई। आरोप है एक पक्ष ने दूसरे पक्ष की शिकायत पुलिस से की थी, जिससे नाराज होकर आरोपियों ने हमला कर दिया। पुलिस दोनों पक्षों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज करके मामले की जांच कर रही है।

बीजेपी विधायक के भतीजे ने जान दी

लखनऊ। लखनऊ में गोंडा के मेहनौन विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक विनय कुमार द्विवेदी के भतीजे शिवम तिवारी का शव उनके फ्लैट में मिला है। बेडशीट के सहारे पंखे से उनका शव लटका हुआ था। परिजनों का आरोप है कि शिवम के पार्टनर्स ने उनके साथ धोखाधड़ी कर पैसों का घपला किया था, जिसकी वजह से वह काफी दिनों से परेशान चल रहे थे।

इस मामले में सुशांत गोल्फ सिटी थाने में परिजनों ने आरोपी पार्टनर्स के खिलाफ तहरीर दी है। करीब एक सप्ताह पहले, 24 जनवरी को शिवम ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट भी किया था।

नगर आयुक्त गौरव कुमार ने जोन-6 में किया औचक निरीक्षण

लखनऊ । नगर आयुक्त गौरव कुमार ने सोमवार को जोन-6 स्थित दो वार्डों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था, डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण, पार्कों के रखरखाव, सार्वजनिक शौचालयों की साफ-सफाई और मरम्मत कार्य को देखा। खाली प्लॉटों में पड़े कूड़े के ढेरों की स्थिति का जायजा लिया।

12 फरवरी की हड़ताल को मनरेगा कर्मियों का समर्थन मिला

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में मनरेगा तकनीकी सहायक एसोसिएशन (सम्बद्ध हिंद मजदूर सभा) की राज्य कार्यकारिणी की बैठक लखनऊ मंडल कार्यालय चारबाग में संपन्न हुई।

बैठक में एसोसिएशन के विभिन्न जनपदों के जिला अध्यक्ष सहित हिन्द मजदूर सभा उत्तर प्रदेश के महामंत्री उमा शंकर मिश्रा, प्रांतीय मंत्री अरुण गोपाल मिश्रा, प्रांतीय मंत्री अविनाश पांडेय, प्रदेश संगठन मंत्री पीयूश मिश्रा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य जितेंद्र कुमार तिवारी, कार्यालय सहाय फूल चंद्र चौरसिया, और जय प्रकाश सहित तमाम साथी विशेष रूप से उपास्थित हैं। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष राम आशीष वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक का संचालन महामंत्री इंजीनियर रवि शंकर त्रिपाठी ने किया।

बैठक को वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल सिंह, ओ पी शर्मा, जयदिंद पटेल, कोषाध्यक्ष सुनील सिंह, सहित विभिन्न जनपदों के पदाधिकारियों ने संबोधित किया। बैठक में चारों नयी श्रम संहिताओं को वापस लेकर देश के पुराने श्रम कानूनों और मनरेगा को बहाल करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर केंद्रीय श्रम संगठनों के आवाहन पर आयोजित एक दिवसीय हड़ताल को पूरे देश में सफल बनाने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर श्रम आंदोलन के पुरोधा एच एम एस के प्रांतीय महासचिव उमा शंकर मिश्रा के जन्म दिवस पर केक काट कर बधाई और शुभकामनाएं दी गई।

किडनैपर्स को दांत काटकर छात्र ने खुद को छुड़ाया

दुबग्गा। लखनऊ के कृष्णा नगर में बाइक सवार 2 बदमाशों ने कक्षा-4 के छात्र को अगवा करने की कोशिश की। किडनैपर्स को दांत कर छात्र उनके चंगुल से छूटा। भाग कर घर पहुंचा और मां को इसकी जानकारी दी। मां ने पुलिस को कॉल किया, लेकिन डेढ़ घंटे तक पुलिस नहीं पहुंची। इसके बाद छात्र के पिता ने थाने में लिखित शिकायत दी। घटना रविवार शाम करीब 6:45 बजे पंडित खेड़ा स्थित द्वारिकापुरी कॉलोनी में हुई। केंद्रीय विद्यालय आरडीएसओ का छात्र ईवान शर्मा अपने घर से लगभग 50 मीटर दूर एक जनरल स्टोर से सामान लेकर लौट रहा था। काली स्प्लेंडर सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने उसे अगवा करने की कोशिश की। बदमाशों ने पहले ईवान को बहलाने की कोशिश की और उसे पेंसिल खरीदने व घर छोड़ने का लालच दिया। ईवान ने इनकार किया, तो एक बदमाश ने अचानक रुमाल से उसका मुंह दबा दिया। जबरन बाइक पर बैठाने का प्रयास करने लगा।

राज्य सरकार के प्रयासों को विदेशी निवेशकों से निरंतर समर्थन मिल रहा है

एपी मोलर माएर्स्क के प्रमुख ने की मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात

■ बैठक के दौरान उत्तर प्रदेश में निवेश की व्यापक संभावनाओं, उद्योगों के लिए अनुकूल कारोबारी माहौल तथा राज्य सरकार की निवेश प्रोत्साहन नीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को वैश्विक निवेश मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करने की दिशा में राज्य सरकार के प्रयासों को विदेशी निवेशकों से निरंतर समर्थन मिल रहा है। इसी क्रम में सिंगापुर की अग्रणी एकीकृत कंटेनर लॉजिस्टिक्स कंपनी एपी मोलर माएर्स्क के प्रबंध निदेशक रीन पील पेडरसन ने सोमवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट की। इस दौरान उत्तर प्रदेश में निवेश विस्तार को लेकर गहन चर्चा हुई। पेडरसन के साथ विवेक शर्मा, हेड बिजनेस डेवलपमेंट एवं रेगुलेटरी अफेयर्स (भारत, बांग्लादेश एवं श्रीलंका क्षेत्र) भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश के सबसे तेज़ी से विकसित हो रहे राज्यों में शामिल है और यहां निवेशकों के लिए सुरक्षित, स्थिर और पारदर्शी वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सिंगल विंडो सिस्टम, त्वरित स्वीकृतियां, नीति आधारित प्रोत्साहन और मजबूत कानून व्यवस्था के माध्यम से सरकार निवेशकों को हर स्तर पर सहयोग दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक्सप्रेसवे नेटवर्क, लॉजिस्टिक्स हब, औद्योगिक कॉरिडोर और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के चलते उत्तर प्रदेश निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य बन चुका है।

कंपनी पिछले 20 वर्षों से अधिक समय से इस राज्य में निवेश कर रही

इस अवसर पर विवेक शर्मा ने बताया कि हमने उत्तर प्रदेश में निवेश के अवसरों और यहां के निवेश अनुकूल माहौल को लेकर बहुत अच्छी और सार्थक चर्चा की। हमारी कंपनी पिछले 20 वर्षों से अधिक समय से इस राज्य में निवेश कर रही है। इस विशेष चर्चा के दौरान हमने प्रदेश की कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण और अपने व्यवसाय के विस्तार में राज्य सरकार से मिले पूर्ण सहयोग को लेकर अपने सकारात्मक अनुभव साझा किए। हम भविष्य में भी उत्तर प्रदेश में अपने कारोबार के विस्तार के लिए नए निवेश अवसरों की तलाश करने के लिए उत्सुक हैं।

पूरे प्रदेश से लगभग 3800 बसें माघ मेले हेतु लगायी गयी है : दयाशंकर सिंह

10 लाख श्रद्धालुओं ने परिवहन निगम की बसों से किया माघ मेला में स्नान

> जानकारी देते हुए परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश परिवहन निगम ने माघ मेले के दौरान प्रयागराज आने-जाने के लिए विशेष बस सेवाओं का संचालन भी किया, जिनमें एसी और नॉन-एसी बसों की व्यवस्था की गई। यह बसें प्रमुख शहरों और गाँवों से प्रयागराज तक सस्ती एवं सुविधाजनक यात्रा की सुविधा प्रदान की।

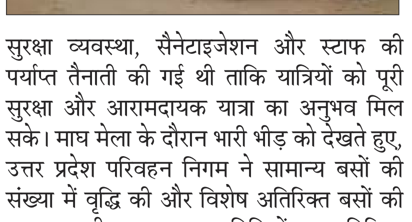

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) द्वारा इस वर्ष के माघ मेले और कुंभ स्नान के सफल आयोजन हेतु व्यापक बस सेवाओं का संचालन किया जा रहा है। पूरे प्रदेश से लगभग 3800 बसें माघ मेले हेतु लगायी गयी है। माघ मेला 2026 के दौरान 01 फरवरी 2026 तक लगभग 10 लाख श्रद्धालु एवं पर्यटक प्रयागराज पहुँचे, और संगम के पावन धरा पर स्नान का पुण्य लाभ उठाया है।उत्तर प्रदेश परिवहन निगम ने उन्हें सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा भी उपलब्ध करवाई है। परिवहन मंत्री ने बताया कि सभी बसों में यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, आधुनिक तकनीक का उपयोग किया गया। इसके अलावा, बसों में सुरक्षा व्यवस्था, सैनेटाइजेशन और स्टाफ की पर्याप्त तैनाती की गई थी ताकि यात्रियों को पूरी सुरक्षा और आरामदायक यात्रा का अनुभव मिल सके। माघ मेला के दौरान भारी भीड़ को देखते हुए, उत्तर प्रदेश परिवहन निगम ने सामान्य बसों की संख्या में वृद्धि की और विशेष अतिरिक्त बसों की व्यवस्था की। प्रमुख स्नान तिथियों पर अतिरिक्त बसों का संचालन किया गया। 03 जनवरी को पौष पूर्णिमा के दिन 1800 बसे आवंटित थी जिसमें से 783 बसों से लगभग 16341 यात्रियों ने यात्रा की, 200 बसें रिजर्व में रखी गयी थी। इसी प्रकार 15 जनवरी को मकर संक्रांति पर 1800 आबंटित बसों में से 1540 बसों से लगभग 30627 ने यात्रा की,300 बसें रिजर्व में थी। 18 जनवरी को मौनी अमावस्या पर 3800 आबंटित बसों में से 2387 बसों से 74462 यात्रियों ने यात्रा की, 485 बसें रिजर्व थी। 23 जनवरी को बसंत पंचमी पर 1800 आबंटित बसों में से 1526 बसों के संचालन से 48111 यात्रियों ने यात्रा की,300 बसें रिजर्व थी। 01 फरवरी को माघी पूर्णिमा पर आबंटित 1800 बसों में से 1297 बसों के संचालन से 42753 यात्रियों ने यात्रा की,300 बसें रिजर्व थी। इस प्रकार प्रमुख स्नान तिथियों पर कुल 7533 बसों का अतिरिक्त संचालन किया गया ।

थाना बिजनौर पुलिस ने शातिर चोर को किया अरेस्ट

चोरी का माल बरामद, आरोपी पहले घरों की रेकी करता था

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । पुलिस कमिश्नरेट, दक्षिणी ज़ोन की थाना बिजनौर टीम ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी फैजान अहमद (24) पुत्र सईद अहमद, निवासी पटवारी मोहल्ला बिजनौर, पेशे से चालक है। थाना बिजनौर क्षेत्र में दिनांक 27 और 28 जनवरी 2026 को दो घरों में चोरी की घटनाएँ हुई थीं। वादी कल्लू गौतम और सुजीत के घर से सोने और चाँदी के आभूषण चोरी किए गए थे। पुलिस ने तकनीकी और मुखबिर खास की सूचना पर आरोपी को 01 फरवरी 2026 को अलीनगर खुर्द के अंडरपास के नीचे से गिरफ्तार किया और चोरी का माल बरामद किया।

पुलिस के अनुसार, आरोपी पहले घरों की रेकी करता था और जब सुनिश्चित हो जाता था कि घर खाली हैं, तब योजनाबद्ध तरीके से चोरी करता था। बरामद सामग्री में एक नाक की कील (पीली धातु), एक जोड़ी पायल (सफेद धातु) और 1810 रुपये नकद शामिल हैं। फैजान अहमद पर पहले भी चोरी से संबंधित मामला दर्ज है। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ धारा 305(ए)/317(2) बीएनएस के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

थाना बिजनौर पुलिस टीम की सतर्कता और तेजी से की गई कार्रवाई के कारण दो चोरी के मुकदमों का खुलासा संभव हुआ। पुलिस का कहना है कि आरोपी की गिरफ़्तारी से इलाके में चोरी की घटनाओं में कमी आने की उम्मीद है।

आयोजन : योजनाओं का लाभ पात्र कृषकों तक समयबद्ध और पारदर्शी रूप से पहुँचाने के कड़े निर्देश

उद्यान विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक

■ आलू भंडारण की तैयारियों और अन्य राज्यों में निर्यात की संभावनाओं को तलाशने पर दिया जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिनेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को सरकारी आवास पर उद्यान विभाग द्वारा संचालित समस्त औद्यानिक विकास योजनाओं एवं कार्यक्रमों की गहन समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ विभागीय अधिकारी वर्चुअली उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान पर ड्रॉप मोर क्रॉप-माइक्रोइरीगेशन, एकीकृत बागवानी विकास कार्यक्रम, मुख्यमंत्री राज्य औद्यानिक विकास योजना, फलपट्टी विकास योजना, पान उत्पादन को प्रोत्साहन योजना आदि के अंतर्गत संचालित औद्यानिक कार्यक्रमों- ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई, संरक्षित खेती, औद्यानिक फसलों का विस्तार, रोपण सामग्री उत्पादन, नर्सरी का सुदृढ़ीकरण, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन, पान उत्पादन तथा कटाई उपरांत प्रबंधन आदि की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य किसानों की आय में वृद्धि करना तथा उद्यानिकी को प्रदेश की अर्थव्यवस्था का सशक्त आधार बनाना है। इसके लिए फल, सब्जी, फूल, मसाला, औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती को बढ़ावा देने हेतु संचालित योजनाओं का प्रभावी एवं पारदर्शी क्रियान्वयन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आलू की खुदाई का समय समीप है अतः प्रदेश के सभी शीतगृहों में आलू भंडारण की तैयारी पूर्ण कर ली जाए। आलू के भंडारण तथा विपणन में आलू किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। आलू की अच्छी पैदावार की संभावना के दृष्टिगत अन्य प्रदेशों में आलू के निर्यात की संभावनाओं को तलाशा जाए। उद्यान मंत्री ने निर्यातोन्मुखी फसलों को प्रोत्साहित करने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि प्रदेश में उत्पादित उच्च गुणवत्ता वाले फल-सब्जियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने के लिए कोल्ड स्टोरेज, पैक हाउस, प्रसंस्करण इकाइयों एवं लॉजिस्टिक सुविधाओं का विस्तार किया जाए। हाईटेक नर्सरियों का सुचारू संचालन के साथ उनके माध्यम से पर ब्लॉक वन क्रॉप कार्यक्रम को प्रोत्साहित किया जाए।

योजनाओं का लाभ पात्र कृषकों तक समयबद्ध रूप से पहुंचे

उद्यान मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं का लाभ पात्र कृषकों तक समयबद्ध रूप से पहुंचे। उन्होंने कहा कि योजनाओं के चयन, स्वीकृति एवं अनुदान वितरण में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लाभार्थियों के आवेदन की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी एवं तकनीक आधारित बनाया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जनपद स्तर पर नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित कर फील्ड स्तर की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, किसानों को नवीन तकनीकों, उन्नत किस्मों एवं आधुनिक उद्यानिकी पद्धतियों के प्रति जागरूक करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों और प्रदर्शन इकाइयों की संख्या बढ़ाई जाए।

लखनऊ में शादी से 11 दिन पहले युवक की मौत

लखनऊ । लखनऊ के बीबीडी इलाके में शनिवार देर शाम सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। उसका ममेरा भाई गंभीर रूप से घायल है और ट्रॉमा सेंटर में उसका इलाज चल रहा है। मृतक अपनी शादी का कार्ड बांटने के लिए जा रहा था। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के पिता ने थाने में टक्कर मारने वाले वाहन के खिलाफ तहरीर दी है। हादसा शनिवार शाम करीब 7:30 बजे किसान पथ पर आनंदी वाटर पार्क के पास हुआ। मृतक की पहचान गोपी कुमार (23) के रूप में हुई है। मृतक गुडम्बा के श्रीकृष्ण पुरवा का रहने वाला था। चाचा राधेलाल ने बताया कि गोपी की शादी 13 फरवरी को शादी होनी थी। 9 फरवरी को तिलक था। इसको लेकर वह बाइक से शादी का निमंत्रण बांटने जा रहा था। तभी पीछे से आए एक तेज रफ्तार डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी।

एसीपी बीकेटी की गाड़ी का एक्सीडेंट वाहन का पीछा करते समय हादसा

तमसा संकेत, संवाददाता

बख्शी का तालाब। बीकेटी इलाके में रविवार दोपहर एसीपी बीकेटी की सरकारी गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। एसीपी ज्ञानेंद्र सिंह एक संदिग्ध वाहन का पीछा कर रहे थे। तभी चंद्रिका देवी मोड़ के पास एक इनोवा कार से उनकी गाड़ी की टक्कर हो गई। इस हादसे में एसीपी के गनर घनश्याम को मामूली चोटें आईं। उन्हें तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाया गया।

रविवार दोपहर 12:30 बजे बीकेटी के एसीपी ज्ञानेंद्र सिंह अपने कार्यालय जा रहे थे। सीतापुर रोड स्थित छठामील से कुछ ही दूर एक काले रंग की संदिग्ध थार ने उनकी गाड़ी को दो-तीन बार ओवरटेक किया। एसीपी की गाड़ी में मौजूद हमराही ने थार रोकने का इशारा किया लेकिन चालक ने रफ्तार बढ़ा दी। बीकेटी कस्बे के पास सड़क किनारे अतिक्रमण और भीड़ का फायदा उठाकर थार सवार भाग निकले। इस दौरान एसीपी की गाड़ी सड़क किनारे खड़ी एक अन्य कार से टकरा गई। घटना में दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। एसीपी के हमराही मुख्य आरक्षी घनश्याम सिंह भी घटना में घायल हो गए। उनकी दाढ़ी पर चोटें आई हैं। अन्य पुलिसकर्मियों की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें चार टांके लगाए हैं।

इंस्पेक्टर संजय कुमार सिंह ने बताया कि कस्बे में दुकानों के सामने सड़क पर खड़ी गाड़ियों की वजह से यातायात बाधित होता है। समय-समय पर अभियान चलाया जाता है। आगे भी अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया जाएगा। साथ ही संदिग्ध थार चालक की तलाश भी की जा रही है।

अंबेडकरनगर व्यवस्थाओं की जमीनी हकीकत परखी, कमियों पर दिए तत्काल सुधार के निर्देश

निराश्रित गोवंश संरक्षण को लेकर जनपद में सख्ती

निरीक्षण

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। निराश्रित गोवंश के संरक्षण और समुचित देखभाल को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। शासन की मंशा के अनुरूप गौशालाओं की व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला के नेतृत्व में जनपद के विभिन्न विकासखंडों में संचालित गौशालाओं का स्थलीय एवं गहन निरीक्षण किया गया। इस दौरान परियोजना अधिकारी डीआरडीए अनिल कुमार सिंह, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी अरविंद कुमार सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान गौशालाओं में उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं की विस्तृत जांच की गई। इसमें गोवंश के लिए हरे चारे और भूसे की उपलब्धता, स्वच्छ पेयजल व्यवस्था, शेड की स्थिति, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, बाड़बंदी और सुरक्षा प्रबंध शामिल रहे। साथ ही गोबर निस्तारण की व्यवस्था और परिसर की स्वच्छता को भी परखा गया।

मुख्य विकास अधिकारी ने निरीक्षण के दौरान स्पष्ट निर्देश दिए कि निराश्रित गोवंश की देखभाल में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और गौशाला प्रभारियों को निर्देशित किया कि सभी गौशालाओं में प्रतिदिन चारा और पानी की उपलब्धता सुनिश्चित हो तथा स्वच्छता मानकों का कड़ाई से पालन किया जाए। निरीक्षण के दौरान जहां भी व्यवस्थागत कमियां पाई गईं, उन्हें तत्काल दूर कराने के निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि गौशालाओं का संचालन व्यवस्थित और मानवीय दृष्टिकोण के साथ किया जाना शासन की प्राथमिकता है। इसके लिए विकासखंड स्तर पर नियमित निरीक्षण और सतत निगरानी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए।

विकासखंडवार गौशालाओं का किया गया निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने विकासखंड टांडा की गौशाला डांडी का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वहीं अपर जिलाधिकारी न्यायिक द्वारा विकासखंड भीटी की गौशाला तेरिया, परियोजना अधिकारी डीआरडीए द्वारा भीटी की गौशाला केवारीपरमानंद तथा मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी द्वारा भीटी की गौशाला विलोलपुर का निरीक्षण किया गया।

स्वास्थ्य परीक्षण और टीकाकरण की समीक्षा

अधिकारियों ने गोवंश की स्वास्थ्य स्थिति, नियमित टीकाकरण और उपचार व्यवस्था की भी समीक्षा की। बीमार और कमजोर पशुओं की पहचान कर उनके लिए अलग देखरेख की व्यवस्था का जायजा लिया गया। पशु चिकित्सा से जुड़े अभिलेखों की भी जांच की गई ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उपचार और टीकाकरण समयबद्ध रूप से हो रहा है।

हाईवे डिवाइडर पर करीब 100 मीटर तक उगी अरहर

पलई कल्याणपुर पेट्रोल पंप के सामने डिवाइडर पर लहलहाती फसल बनी खतरा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। पलई कल्याणपुर पेट्रोल पंप के सामने सड़क डिवाइडर पर लगभग 100 मीटर लंबाई तक अरहर की फसल लहलहाती नजर आ रही है। हाईवे के बीचोंबीच उगी यह फसल राहगीरों और वाहन चालकों के लिए खतरा बनती जा रही है। फसल के कारण छुट्टा जानवर सड़क की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जिससे किसी भी समय बड़ी दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है।

स्थानीय लोगों के अनुसार डिवाइडर पर उगी अरहर की फसल जानवरों को खुला आमंत्रण दे रही है। दिन के साथ-साथ रात के समय भी मवेशी सड़क पर आ जा रहे हैं। तेज रफ्तार वाहनों के बीच अचानक जानवरों का आ जाना दुर्घटनाओं को

दावत देने जैसा है। क्षेत्र में पहले भी जानवरों के कारण हादसे हो चुके हैं।

हाईवे पर रोजाना बड़ी संख्या में भारी और हल्के वाहन गुजरते हैं। डिवाइडर पर खड़ी फसल के कारण दृश्यता प्रभावित हो रही है। वाहन चालकों को सामने से आ रहे जानवर या अचानक सड़क पार करते मवेशी देर से दिखाई देते हैं। इससे ब्रेक लगाने या वाहन मोड़ने में परेशानी होती है, जो हादसे की वजह बन सकती है। सबसे गंभीर पहलू यह है कि लोक निर्माण विभाग की ओर से अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। डिवाइडर और सड़क की देखरेख की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी की होती है, लेकिन फसल उगने के बावजूद विभाग की चुप्पी सवाल खड़े कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से यह स्थिति बनी हुई है, फिर भी किसी अधिकारी ने संज्ञान नहीं लिया। डिवाइडर पर फसल उगना न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि सड़क सुरक्षा मानकों पर भी प्रश्नचिह्न लगाता है। हाईवे के मध्य भाग को पूरी तरह साफ और अवरोध मुक्त रखना जरूरी होता है, ताकि आपात स्थिति में वाहन नियंत्रित किए जा सकें। मौजूदा हालात में यह उद्देश्य पूरा नहीं हो पा रहा है।

फास्ट न्यूज

भटकी मासूम को पुलिस ने सुरक्षित परिजनों से मिलाया

अंबेडकरनगर। थाना कोतवाली अकबरपुर क्षेत्र में सोमवार को एक सराहनीय घटना सामने आई। अकबर-पुर रोडवेज बस स्टैंड पर एक छोटी बच्ची अकेली घूमती हुई मिली, जो रास्ता भटकने के कारण असहाय और डरी हुई नजर आ रही थी। बस स्टैंड पर ड्यूटी पर तैनात मुख्य आरक्षी अच्छेलाल यादव की नजर बच्ची पर पड़ी, जिसके बाद उन्होंने तुरंत स्थिति को संभाला।

टाण्डा में शबेबारात और महाशिवरात्रि को लेकर पीस कमेटी की बैठक

अंबेडकर नगर। आगामी पर्व शबेबारात और महाशिवरात्रि को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से तहसील टाण्डा परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर उपजिलाधिकारी टाण्डा और क्षेत्राधिकारी टाण्डा की संयुक्त अध्यक्षता में संपन्न हुई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि प्रशासन का उद्देश्य सभी धर्मों के लोगों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है, ताकि त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से मनाए जा सकें।

स्वर्गीय इंदुलता पाण्डेय स्मारक अंतर्जनपदीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता

अंबेडकर नगर । अनिरुद्ध नगर बेनीपुर स्थित श्री हनुमत आश्रम परिसर में आयोजित स्वर्गीय इंदुलता पाण्डेय स्मारक अंतर्जनपदीय डे-नाइट वॉलीबॉल प्रतियोगिता का सफल समापन हुआ। प्रतियोगिता में कुल 10 टीमों ने प्रतिभाग किया। रोमांचक मुकाबलों के बाद रायबरेली की टीम ने खिताब पर कब्जा जमाया, जबकि बेनीपुर की टीम उपविजेता रही।

विवाहिता की संदिग्ध मौत ससुर-पति गिरफ्तार

दहेज हत्या के आरोप में पुलिस ने भेजा न्यायालय

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। सुलतानपुर जिले में एक विवाहिता की संदिग्ध मौत के मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मामला गंभीर हो गया है। पोस्टमार्टम में महिला की मौत का कारण फांसी बताया गया है। वहीं, मृतका के पिता ने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए हत्या कर शव को फांसी पर लटकाने का आरोप लगाया है। जलालपुर पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र के वरुआ गांव निवासी धनजू प्रसाद ने बताया कि उनकी बेटी अर्चना वर्मा की शादी 6 फरवरी 2023 को सतीश वर्मा के साथ हुई थी। आरोप है कि शादी के कुछ महीनों बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा चार पहिया वाहन और नकद धनराशि की मांग की जाने

लगी। पिता के अनुसार, दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुराल पक्ष के लोगों ने अर्चना के साथ मारपीट की। महिला ने इस मामले की जानकारी अपने मायके को फोन पर दी थी। परिजनों द्वारा समझाने के प्रयास किए गए, लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ। धनजू प्रसाद ने आरोप लगाया कि ससुराल पक्ष ने साजिश के तहत उनकी बेटी की हत्या कर शव को फांसी पर लटका दिया। इस मामले में पुलिस ने सास-ससुर, पति, जेठ और जेठानी समेत अन्य के खिलाफ दहेज हत्या सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

तीन प्रमुख धार्मिक स्थलों का पर्यटन विकास लागत करीब तीन करोड़ रुपये

मुख्यमंत्री पर्यटक स्थल विकास योजना के तहत होगा काम

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले के तीन प्रमुख धार्मिक स्थलों का पर्यटन विकास लगभग तीन करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। यह कार्य मुख्यमंत्री पर्यटक स्थल विकास योजना के तहत संपन्न होगा। जिम्मेदारी कार्यदायी संस्था सी एंड डीएस को सौंपी गई है। वित्तीय बाधा न आए, इसके लिए कार्यदायी संस्था को लगभग दो करोड़ रुपये की राशि पहले ही उपलब्ध करा दी गई है।

एमएलसी हरिओम पांडेय ने बताया कि जलालपुर विकास खंड के आशानंदपुर बरौनी स्थित बाबा झारखंड स्थान का पर्यटन विकास किया जाएगा। इस कार्य पर एक करोड़ सात लाख रुपये खर्च होंगे। जिम्मेदारी सी एंड डीएम जलनिगम को दी गई है और कार्य शुरू करने

के लिए 75 लाख रुपये की राशि जारी कर दी गई है। बसखारी विकास खंड में स्थित परमहंस फलहारी महाराज अंगीरा मुनि उर्फ झुल्लुर दास के आश्रम का भी कायाकल्प किया जाएगा। इस विकास कार्य की कुल लागत 99 लाख रुपये है। कार्यदायी संस्था सी एंड डीएस जलनिगम को 75 लाख रुपये उपलब्ध करा दिए गए हैं।

इन सभी पर्यटन विकास कार्यों में मार्ग निर्माण, आवास, शौचालय, पेयजल, नेटवर्क सुविधा, प्रकाश व्यवस्था और साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं का विकास शामिल होगा। अधिकारियों ने बताया कि इन स्थलों के पर्यटन विकास से न केवल श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

आलापुर तहसील: पवित्र गोविंद साहब मठ का विकास

आलापुर तहसील क्षेत्र में स्थित पवित्र गोविंद साहब मठ का पर्यटन विकास भी शामिल है। इस कार्य की कुल लागत 81 लाख 50 हजार रुपये होगी। जिम्मेदारी सी एंड डीएस जलनिगम को सौंपी गई है और तेजी से काम शुरू करने के लिए 60 लाख रुपये की राशि पहले ही जारी कर दी गई है।

पॉलिसी के नाम पर 4.15 लाख की साइबर ठगी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। सम्मनपुर थाना क्षेत्र में साइबर ठगों ने एक व्यक्ति को पॉलिसी का झांसा देकर 4.15 लाख रुपये की ठगी कर ली। ठगों ने खुद को इंश्योरेंस कंपनी का अधिकारी बताकर पीड़ित पर दबाव बनाया और डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर अलग-अलग खातों में रुपये जमा कराए। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सम्मनपुर थाना क्षेत्र के सिकंदरपुर गांव निवासी पंचम कुमार के मोबाइल पर 6 नवंबर को एक कॉल आई। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को इंडिया फर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस कंपनी का अधिकारी बताया। ठग ने कहा कि पंचम की एक पॉलिसी है, जिससे एजेंट के माध्यम से 78 हजार रुपये निकाले जा सकते हैं।

ठग ने पंचम को बताया कि दो दिनों के लिए एक कोड मिलेगा, जिससे वह कंपनी का एजेंट बन जाएगा और पॉलिसी से पैसा निकाल सकेगा। इसके लिए आरटीजीएस के जरिए 24 हजार रुपये जमा करने को कहा गया। झांसे में आकर पंचम ने बताए गए खाते में रुपये ट्रांसफर कर दिए। अगले दिन ठग ने दोबारा फोन कर जमा की गई राशि पर 10 प्रतिशत शुल्क जमा करने की बात कही। इसके बाद अलग-अलग बहाने बनाकर लगातार रुपये मांगे गए। कभी प्रोसेसिंग फीस तो कभी टैक्स के नाम पर पैसे जमा कराए जाते रहे।

डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर खाते से निकलवाए रुपये, 35 हजार होल्ड

रामलीला मैदान में दो दिवसीय आयोजन, जनसहभागिता रही खास

एनटीपीसी टांडा में सरयू मेला 2026 का भव्य आगाज

तमसा संकेत, संवाददाता

टांडा। एनटीपीसी टांडा आवासीय परिसर स्थित रामलीला मैदान में गरिमा महिला मंडल की ओर से आयोजित दो दिवसीय सरयू मेला 2026 का शुभारंभ 31 जनवरी को भव्य तरीके से हुआ। मेले का उद्घाटन कार्यकारी निदेशक (टांडा) जयदेव परिदा और गरिमा महिला मंडल की अध्यक्ष संघमित्रा परिदा ने फीता काटकर किया। इसके बाद गणेश प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन, केक कटिंग और गुब्बारे उड़ाकर मेले की औपचारिक शुरुआत की गई।

मेले के उद्घाटन के बाद नैगमिक सामाजिक दायित्व के अंतर्गत सिलाई मशीनों का वितरण किया गया। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना रहा। इस कार्यक्रम में अन्य अतिथियों की भी उपस्थिति रही और इसे मेले का एक महत्वपूर्ण सामाजिक पक्ष माना गया। मेले को आकर्षक बनाने के लिए गरिमा महिला मंडल की सदस्याओं ने खानपान के अनेक स्टॉल लगाए। इसके साथ ही कई प्रतिष्ठित संस्थाओं द्वारा घरेलू उपयोग की सामग्री और हस्तशिल्प के स्टॉल भी लगाए गए। इनमें आभूषण, मोटर कंपनियां, कारपेट, इंश्योरेंस, रियल एस्टेट, बनारसी साड़ी, सुरक्षा विभाग, सीएसआर अनुभाग, चिकित्सालय, कपड़े और अन्य उपभोक्ता वस्तुओं के स्टॉल शामिल रहे।

बच्चों के लिए झूले, नो प्लास्टिक पर विशेष जोर

मेले में बच्चों के मनोरंजन के लिए झूलों की व्यवस्था की गई, जहां दिनभर चहल-पहल बनी रही। आयोजन के दौरान 'नो प्लास्टिक यूज' विषय पर विशेष ध्यान दिया गया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। यह पहल आगंतुकों के बीच चर्चा का विषय रही।

मेले का एक प्रमुख आकर्षण सैंड आर्ट से तैयार किया गया राम दरबार रहा। इसके साथ ही गांव की थीम पर आधारित सेल्फी प्वाइंट भी लोगों को खासा पसंद आया। बड़ी संख्या में लोगों ने यहां फोटो खिंचवाकर मेले का आनंद लिया।

वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों की रही उपस्थिति

उद्घाटन अवसर पर एनटीपीसी टांडा के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, यूनियन और एसोसिएशन के पदाधिकारी, कर्मचारी एवं उनके परिवारजन उपस्थित रहे। गरिमा महिला मंडल की उपाध्यक्ष, सचिव, वरिष्ठ पदाधिकारी और सदस्याओं ने भी कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाई। आयोजन स्थल पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे, जिससे मेले का माहौल उत्सवमय बना रहा।

हाईवे डिवाइडर पर करीब 100 मीटर तक उगी अरहर

पलई कल्याणपुर पेट्रोल पंप के सामने डिवाइडर पर लहलहाती फसल बनी खतरा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। पलई कल्याणपुर पेट्रोल पंप के सामने सड़क डिवाइडर पर लगभग 100 मीटर लंबाई तक अरहर की फसल लहलहाती नजर आ रही है। हाईवे के बीचोंबीच उगी यह फसल राहगीरों और वाहन चालकों के लिए खतरा बनती जा रही है। फसल के कारण छुट्टा जानवर सड़क की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जिससे किसी भी समय बड़ी दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार डिवाइडर पर उगी अरहर की फसल जानवरों को खुला आमंत्रण दे रही है। दिन के साथ-साथ रात के समय भी मवेशी सड़क पर आ जा रहे हैं। तेज रफ्तार वाहनों के बीच अचानक जानवरों का आ जाना दुर्घटनाओं को दावत देने जैसा

है। क्षेत्र में पहले भी जानवरों के कारण हादसे हो चुके हैं।

हाईवे पर रोजाना बड़ी संख्या में भारी और हल्के वाहन गुजरते हैं। डिवाइडर पर खड़ी फसल के कारण दृश्यता प्रभावित हो रही है। वाहन चालकों को सामने से आ रहे जानवर या अचानक सड़क पार करते मवेशी देर से दिखाई देते हैं। इससे ब्रेक लगाने या वाहन मोड़ने में परेशानी होती है, जो हादसे की वजह बन सकती है। सबसे गंभीर पहलू यह है कि लोक निर्माण विभाग की ओर से अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। डिवाइडर और सड़क की देखरेख की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी की होती है, लेकिन फसल उगने के बावजूद विभाग की चुप्पी सवाल खड़े कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से यह स्थिति बनी हुई है, फिर भी किसी अधिकारी ने संज्ञान नहीं लिया। डिवाइडर पर फसल उगना न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि सड़क सुरक्षा मानकों पर भी प्रश्नचिह्न लगाता है। हाईवे के मध्य भाग को पूरी तरह साफ और अवरोध मुक्त रखना जरूरी होता है, ताकि आपात स्थिति में वाहन नियंत्रित किए जा सकें। मौजूदा हालात में यह उद्देश्य पूरा नहीं हो पा रहा है।

एनसीसी कैडेट्स ने तमसा नदी तट पर चलाया स्वच्छता अभियान

तमसा संकेत, संवाददाता

जलालपुर, अंबेडकर नगर। मुलायम सिंह यादव महिला महावि-द्यालय की एनसीसी कैडेट्स ने विशेष स्वच्छता एवं वृक्षारोपण अभियान चलाकर सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय दिया। शिवाला घाट स्थित तमसा नदी के तट पर कैडेट्स ने कचरा एकत्र कर व्यापक सफाई अभियान चलाया और नदी स्वच्छता को लेकर जागरूकता का संदेश दिया।

अभियान के दौरान एनसीसी कैडेट्स ने नदी किनारे फैले प्लास्टिक, पॉलीथिन और अन्य अपशिष्ट पदार्थों को एकत्र कर साफ-सफाई की। इस पहल से नदी तट का स्वरूप बदला नजर आया। स्थानीय लोगों ने भी कैडेट्स के इस प्रयास की सराहना की।

स्वच्छता अभियान के साथ-साथ कैडेट्स ने वृक्षारोपण भी किया। लगाए गए पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया गया। कैडेट्स ने बताया कि वृक्षारोपण से पर्यावरण

शिवाला घाट पर सफाई और वृक्षारोपण, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित होता है।

एनसीसी सीटीओ हर्षिता गुप्ता के नेतृत्व में चले इस अभियान में कैडेट्स को नदी स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के महत्व की जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि नदियों को स्वच्छ रखना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है और इसके लिए निरंतर प्रयास जरूरी हैं।

कैडेट प्रमुख प्रज्ञा मिश्रा ने कहा कि देशभक्ति, सामाजिक दायित्व और स्वच्छता को जीवनशैली का हिस्सा बनाना चाहिए।

सुविधा : 14.44 करोड़ की लागत से बनेंगे 40 टाइप-बी आवास

टाण्डा कोतवाली में 11 मंजिला पुलिस आवासीय भवनों का शिलान्यास

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर जनपद के टाण्डा कोतवाली परिसर में पुलिसकर्मियों के लिए बहुप्रतीक्षित आवासीय सुविधा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। 14.44 करोड़ की लागत से स्वीकृत टाइप-बी श्रेणी के 40 आवासीय भवनों के निर्माण कार्य का भूमि-पूजन कर शिलान्यास किया गया। यह परियोजना कुल 11 मंजिला भवनों के रूप में विकसित की जाएगी, जिससे पुलिसकर्मियों को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और आधुनिक आवासीय सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। निर्माणाधीन 11 मंजिला आवासीय भवनों में आधुनिक मानकों के अनुरूप सुविधाएं विकसित की जाएंगी। टाइप-बी श्रेणी

के ये आवास पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर डिजाइन किए गए हैं। सुरक्षा, स्वच्छता, बिजली-पानी की समुचित व्यवस्था और आपात सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाएगा। परियोजना के पूर्ण होने के बाद पुलिसकर्मियों को बेहतर जीवन स्तर और कार्य संतुलन का लाभ मिलेगा। भूमि-पूजन और शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान निर्माण कार्य को गुणवत्ता और समयबद्ध तरीके से पूरा कराने पर जोर दिया गया। प्रशासनिक अधिकारियों ने संबंधित कार्यदायी संस्था को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण में मानकों से कोई समझौता न किया जाए। परियोजना की नियमित निगरानी की व्यवस्था भी की जाएगी, ताकि कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण हो सके।

पुलिसकर्मियों के लिए बड़ी सौगात

टाण्डा कोतवाली क्षेत्र में बनने वाले ये आवासीय भवन पुलिसकर्मियों के लिए बड़ी सौगात के रूप में देखे जा रहे हैं। वर्तमान में कई पुलिसकर्मी किराये के मकानों या दूरस्थ क्षेत्रों में रहने को मजबूर हैं। नई आवासीय व्यवस्था से न केवल उनकी व्यक्तिगत समस्याएं कम होंगी, बल्कि ड्यूटी के प्रति उनकी उपलब्धता और तत्परता भी बढ़ेगी।

आवासीय सुविधा से पुलिस व्यवस्था को मिलेगी मजबूती

टाण्डा कोतवाली क्षेत्र में प्रस्तावित यह आवासीय परियोजना पुलिस विभाग की आधारभूत संरचना को मजबूत करने की दिशा में अहम मानी जा रही है। आवासीय भवनों के निर्माण से पुलिसकर्मियों को कार्यस्थल के समीप आवास मिलेगा, जिससे उनकी तैनाती और कार्यक्षमता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। लंबे समय से पुलिस आवास की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, जिसे देखते हुए इस परियोजना को स्वीकृति दी गई।

टाण्डा में शबेबारात और महाशिवरात्रि को लेकर पीस कमेटी की बैठक

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकर नगर। आगामी पर्व शबेबारात और महाशिवरात्रि को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से तहसील टाण्डा परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर उपजिलाधिकारी टाण्डा और क्षेत्राधिकारी टाण्डा की संयुक्त अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक में दोनों पर्वों के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने, आपसी सौहार्द और सामाजिक समरसता को मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि प्रशासन का उद्देश्य सभी धर्मों के लोगों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है, ताकि त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से मनाए जा सकें।

पीस कमेटी बैठक में विभिन्न धर्मों के धर्मगुरु, समाज के संभ्रांत व्यक्ति और स्थानीय प्रतिनिधि उपस्थित रहे। अधिकारियों ने सभी से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्र में शांति, भाईचारे और आपसी

तहसील परिसर में धर्मगुरुओं और संभ्रांत लोगों के साथ हुई चर्चा

सहयोग का संदेश दें। किसी भी प्रकार की अफवाह या विवाद की स्थिति में तत्काल प्रशासन को सूचना देने पर जोर दिया गया।

बैठक के दौरान संवेदनशील स्थानों, धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले इलाकों को चिन्हित करने पर चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि त्योहारों के दौरान पुलिस बल की तैनाती, गश्त और निगरानी बढ़ाई जाएगी। सोशल मीडिया पर भी विशेष नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। उपजिलाधिकारी और क्षेत्राधिकारी ने कहा कि धार्मिक आयोजनों के दौरान निर्धारित नियमों का पालन किया जाना जरूरी है।

सम्पादकीय

खास तरह का आम बजट आत्मनिर्भर भारत पर नजर

वैश्विक अनिश्चितता के बीच जब आम बजट को लेकर कई अनुमान लगाए जा रहे थे, तब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लीक से हटकर चलने का फैसला किया। यह समय की मांग भी थी। इसी कारण इस बजट में कोई चौंकाने वाली या फिर लोकलुभावन घोषणा नहीं। ऐसा इसीलिए है, क्योंकि अनिश्चित माहौल में कोई योजना बनाना एक तरह से अंधेरे में तीर मारना होता।

मोदी सरकार ने बजट के जरिये अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने और उसे स्थिरता प्रदान करने वाले फैसले लिए हैं। यह भी दिख रहा है कि उसकी कोशिश आर्थिक मोर्चे पर स्थितियों को सुधारने पर जोर देना है। इसी कारण यदि आम या खास आदमी इस बजट में सीधे तौर पर खुद को लाभान्वित होता हुआ नहीं देख रहा है तो आश्चर्य नहीं। इसका यह अर्थ भी नहीं कि उसे परोक्ष तौर पर भी कुछ मिलने नहीं जा रहा है। बुनियादी ढांचे के निर्माण से लेकर सामाजिक विकास की अनेक योजनाओं के माध्यम से सभी वर्गों को राहत या सुविधाएं देने की कोशिश की गई है।

निःसंदेह बजट पर शेयर बाजार ने निराशाजनक प्रतिक्रिया दी, लेकिन यह पहली बार नहीं, जब शेयर बाजार को बजट रास नहीं आया हो। चूंकि यह बजट पारंपरिक नहीं है, इसलिए उसकी व्याख्या भी नए तरीके से की जानी चाहिए। बजट का केंद्रीय तत्व आर्थिक और वित्तीय अनुशासन है, इसका एक प्रमाण राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को और कम करना है। इसके अतिरिक्त उन योजनाओं पर पैसा खर्च करना भी है, जिनसे देश की आर्थिक बुनियाद मजबूत हो और आत्मनिर्भर भारत की नींव सशक्त बने।

बजट में ऐसे कई उपाय किए गए हैं, जो उद्योग-व्यापार जगत को सीधा संदेश देते हैं कि उसे अपने तौर-तरीके बदलने होंगे। यदि भारतीय उद्योग जगत को चुनौतियों से पार पाना है तो उसे यह करना ही होगा। यूरोपीय संघ से मुक्त व्यापार समझौते के बाद ऐसा करना और भी आवश्यक हो गया है। इसकी अनदेखी नहीं की जाए कि हमारा उद्योग जगत वैश्विक प्रतिस्पर्धा का सामना करने के लिए तैयार नहीं। कहना कठिन है कि इस बजट की घोषणाएं उसे इसके लिए प्रेरित कर सकेंगी या नहीं?

जो भी हो, यह अच्छा है कि सरकार ने बजट में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम श्रेणी के उद्योगों को सक्षम बनाने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। ये कदम यही बता रहे हैं कि जो काम छोटे और मझोले कारोबारियों को करना चाहिए, उसमें सरकार हाथ बंटाने के लिए आगे आ रही है। यदि इसके बाद भी एमएसएमई क्षेत्र सक्षम नहीं बनता तो यह निराशाजनक ही होगा। वास्तव में छोटे-बड़े, सभी कारोबारियों को अपने हिस्से की जिम्मेदारी समझनी होगी। इसी तरह नौकरशाही को भी अपने रंग-ढंग बदलने होंगे। यदि ऐसा नहीं किया जाता तो पांच लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में बुनियादी ढांचे के विकास और ऐसी ही अन्य बड़ी योजनाओं का वही हश्र होगा, जो स्मार्ट सिटी योजना का हुआ। यह समझना होगा कि शहरों का विकास करने की जिम्मेदारी मूलतः राज्यों और नगर निकायों की है। केंद्र सरकार ऐसे कुछ नियम-कानून अवश्य बना सकती है, जिनसे राज्य सरकारें और नगरीय विकास की एजेंसियां अपना काम कुछ उसी तरह करें, जैसे मेट्रो परियोजनाओं को क्रियान्वित करने के मामले में किया जा रहा है। बजट में सीधे तौर पर टैक्स छूट देने के बजाय टैक्स संबंधी नियम-कानूनों का सरलीकरण करने और कठोर दंडात्मक उपायों से परे जाने के जो अनेक फैसले किए गए हैं, उनसे लोगों को सचमुच राहत भी तभी मिलेगी, जब नौकरशाही का रवैया बदलेगा।

बजट 2026: हिमालयी सरोकारों की अनदेखी और उम्मीदों की ढलान

हिमालयी राज्यों के लिए बजट केवल एक वित्तीय दस्तावेज नहीं बल्कि उनकी कठिन भौगोलिक चुनौतियों और राष्ट्रीय पारिस्थितिकी में उनके योगदान के बदले मिलने वाला 'हक' होता है। बजट 2026 के पन्नों को जब हम उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के सरोकारों की कसौटी पर कसते हैं, तो निराशा की एक गहरी रेखा उभरती है। चुनावी साल होने के बावजूद, केंद्र की पोटली से वह 'संजीवनी' गायब है जिसकी उम्मीद मुख्यमंत्री से लेकर सीमांत गांव के आखिरी व्यक्ति तक को थी। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश वर्षों से 'ग्रीन बोनस' की मांग कर रहे हैं। उत्तराखंड का 71% और हिमाचल का करीब 68% क्षेत्र वन भूमि या इसके प्रभाव क्षेत्र में आता है। ये राज्य देश के 'फेफड़े' हैं, जो न केवल ऑक्सीजन देते हैं बल्कि उत्तर भारत की नदियों के जल संवर्धन का मुख्य स्रोत भी हैं।

राष्ट्रीय वन नीति के अनुसार 33% वन अनिवार्य हैं, लेकिन ये राज्य अपनी क्षमता से दोगुना बोझ ढो रहे हैं। इस संरक्षण की कीमत ये राज्य 'विकास की बलि' देकर चुकाते हैं। वन कानूनों की जटिलता के कारण न तो यहां बड़े उद्योग लग पाते हैं और न ही बुनियादी ढांचा खड़ा हो पाता है।

– जयसिंह रावत

कहीं यूपी में योगी को घेरने की तो नहीं हो रही कोशिश

> नए नियम आए तो पहले ही दिन से पता चला गया था इसमें बवाल होगा। कौन शोषण करता है और कौन शोषित होता है उसमें से समान्य वर्ग को हटा दिया गया। कमेटी ने जो सिफारिशें की थीं, अंतिम गाइडलाइन उससे हटकर आईं।

देश में इन दिनों एक अलग तरह का माहौल छाया हुआ है और दिलचस्प यह है कि उसका सबसे अधिक असर उत्तर प्रदेश में ही देखने को मिल रहा है। बीते दिनों दो ऐसे प्रकरण आये जिसका सबसे अधिक प्रभाव उत्तर प्रदेश में देखने को मिला। पहला मामला प्रयागराज से आया ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का और दूसरा मामला यूजीसी का । अगर यह मान लिया जाये कि शंकराचार्य का मामला यूपी में गरमाया तो यूजीसी का असर तो पूरे देश में होना चाहिए था लेकिन उसका भी सबसे अधिक विरोध उत्तर प्रदेश में ही दिखा. पूरे देश से विरोध की कोई तस्वीर नहीं दिखी। आखिर क्या यह सिर्फ संयोग है या फिर 2०27 के चुनाव में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ कुछ 'खेल' करने की साजिश क्योंकि दोनों मामलों पर न तो केंद्रीय नेतृत्व की तरफ से कोई सफाई आयी और न ही संघ ने किसी भी तरह का वक्तव्य दिया। जाहिर है कि इसका असर जो भी होगा उसका सबसे अधिक प्रभाव उत्तर प्रदेश के 2०27 में होने वाले विधानसभा चुनाव पर ही होगा। बीते लोकसभा चुनाव में भी यूपी से भाजपा को खासा नुकसान हुआ है लेकिन इस बार विधानसभा का चुनाव है और भाजपा का जो मूल वोट बैंक - ब्राह्मण, ठाकुर, कायस्थ, बनिया और भूमिहार है वह इस समय भाजपा से खासा नाराज है। भले ही यूजीसी पर सुप्रीम कोर्ट ने स्टे लगा दिया है लेकिन इस वर्ग में पार्टी को लेकर खासा आक्रोश है । पहले शंकराचार्य के मामले को लेते हैं । इस पर कोई मामला नहीं था लेकिन शंकराचार्य को 5० मीटर के लिए पैदल जाने की जिद करना और उसके बाद उनसे प्रशासन द्वारा यह मांग करना कि वह साबित करें कि वह शंकराचार्य हैं, इतने पर भी बात नहीं रुकी. पुलिस द्वारा उनके समर्थक साधु-संतों के साथ दुर्व्यवहार की जो तस्वीरें आयी, वह हर हिंदू के मन को उदास कर गयीं क्योंकि अभी तक उप्र का हर हिंदू उम्मीद करता था कि अगर साधु-संतों पर कोई बात आयेगी तो योगी आदित्यनाथ उसके साथ जरूर खड़ें होगे लेकिन इस मामले पर पुलिस की ज्यादती के बावजूद मुख्यमंत्री ने कोई दखल नहीं दिया और न ही पांच दिन धरने पर बैठे शंकराचार्य को मनाने के लिए कोई कोर-कसर ही करती सरकार दिखी। ऐसे में जब शंकराचार्य नाराज होकर चले गये तो अधिकारियों ने उनको मनाने की असफल कोशिश की जिसका और उल्टा असर हुआ जबकि इस मामले में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने नरमी दिखायी और कहा कि शंकराचार्य के साथ ऐसा नहीं होना चाहिए था, बदले में शंकराचार्य ने भी केशव मौर्य की तारीफ कर दी। यही नहीं, गोवर्धन पीठ के स्वामी स्वामी निश्चलानंद सरस्वती और द्वारिका पीठ के स्वामी सदानंद सरस्वती ने भी शंकराचार्य के साथ खड़े होकर सहमति दिखायी जिसके बाद प्रशासन जागा लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। इसलिए साफ कहा जा सकता है कि इस मुद्दे पर योगी आदित्यनाथ की प्रखर हिंदुत्व की छवि पर आघात तो लगा। दूसरा प्रकरण यूजीसी का आया तो सबसे अधिक विरोध प्रदर्शन यूपी में ही होने लगे। कुछ अधिकारी भी इसमें खड़े हो गये और अपना इस्तीफा भेजकर रोंटियां सेकंने लगे। इन विरोध प्रदर्शन की आग इतनी बढ़ी कि यूपी में कई भाजपा नेताओं के इस्तीफे हो गये । कई भाजपा विधायकों ने तो खुलकर सरकार के विरोध का स्वर बुलंद कर दिया। कई विधायकों ने तो सरकार को मजा चखाने की चुनौती भी दे डाली। यह मुद्दा ऐसा बन गया कि मुख्यमंत्री ने इस पर खामोशी ओढ़ ली क्योंकि यह मुद्दा न तो उगलते बन रहा था और न ही निगलते। वह तो भला हो सुप्रीम कोर्ट का कि उसने इस मामले पर पहले ही दिन और पहली ही सुनवाई पर तत्काल प्रभाव से स्टे लगा दिया और योगी सरकार को होने वाले डैमेज कंट्रोल पर भी स्टे लग गया। लेकिन स्टे के बावजूद सवर्ण वर्ग की नाराजगी अभी खत्म या कम होती नजर नहीं आ रही है। सवर्ण वर्ग का मानना है कि अभी स्टे हुआ है. सरकार की ओर से कानून को वापस नहीं लिया गया है। इसका मतलब है कि सरकार नहीं चाहती कि यह कानून खत्म हो, इसलिए लोग सरकार से नाराज हैं। दरअसल भाजपा पिछड़ों के वोट को साधने के लिए यूजीसी के सहारे ऐसा कानून लेकर आयी थी लेकिन पिछड़े तो सधे नहीं और जो अपने थे, वह भी बिखर गये। इस मुद्दे पर विपक्ष ने भी बड़े सधे तरीके से अपने बयान जारी किये। यूपी के मुख्य विपक्षी दल ने न इसका विरोध किया और न ही समर्थन बल्कि यह कहा कि कानून ऐसा होना चाहिए जिससे किसी का नुकसान न हो। मतलब साफ था कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने यह कोशिश कि वह सवर्ण वर्ग को संदेश दे सके कि देखो तुम जिस दल को वोट देते हो, वह भारतीय जनता पार्टी तुम्हारे साथ नहीं है और वह इसमें कामयाब भी हुआ। इस मामले में विशुद्ध राजनीति हो रही है। मुझे लगता है कि सरकार की मंशा भी इसमें राजनीति को साधन है। दोनों तरफ से इस पर जो राजनीति खेली जा रही है वो बहुत दुर्भाग्य पूर्ण है। इस कमेटी में रविशंकर प्रसाद और बांसुरी स्वराज जैसे बड़े वकील शामिल थे, क्या उन्हें इसका आभास नहीं हुआ। सरकार को बाद में समझ आया, लेकिन सरकार ने इस पर चुप्पी साधे रखी। ये गलत फैसला था। सरकार को इस पर खेद प्रकट करना चाहिए और इसे वापस ले लेना चाहिए। मुझे लगता है कि 2०24 नतीजों के बाद भाजपा ने स्थायी राजनीति के लिए एक व्यवस्था सुनिश्चित करना चाहती थी। मुझे लगता है इसीलिए यह कदम उठाया गया।

अब सरकार के लिए ऐसी स्थिति हो गई है कि एक तरफ कुआं हैं और दूसरी तरफ खाई है। कानूनों का दुरुपयोग होता है। दहेज कानून बना तो उसका दुरुपयोग हुआ तो वो खत्म नहीं हुआ। इसी तरह दलित एक्ट का भी दुरुपयोग हुआ लेकिन इन कानूनों के फायदे भी हुए हैं। देखना यह पड़ेगा कि इस नियम को ठीक करने की बात हो रही थी या इन्हें खत्म करने की बात हो रही थी। ये मामला दुधारी तलवार वाला है. इस पर एक तरफा अप्रोच से काम नहीं चलेगा। कुछ भी हो लेकिन इन सभी मामलों पर अगर जल्दी कुछ न किया गया तो नुकसान योगी आदित्यनाथ का सबसे अधिक होगा।

-राजेश श्रीवास्तव

उत्तर प्रदेश में जो लाखों...

डॉ0 ओ0पी0 मिश्र

ग्रामीण स्वास्थ्य आज भी चिंता का विषय

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को अपना बजट पेश किया। बजट पेश करते समय उन्होंने कैंसर, डायबिटीज तथा सात अन्य दुर्लभ बीमारियों की दवाएं सस्ती करने की घोषणा की। वित्त मंत्री की इस घोषणा का स्वागत करने का कोई कारण नहीं है। लेकिन क्या ही अच्छा होता है यदि वित्त मंत्री ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता सुधारने पर भी अपने विचार व्यक्त करती और बताती कि इसके लिए वह क्या करने वाली है या मोदी सरकार क्या करने वाली है? क्योंकि हम सब यह बात भली-भांति जानते हैं कि अस्पतालो के बाहर प्राथमिकत देखभाल तथा डॉक्टर और नर्स की कमी आज भी चुनौती बनी हुई है। ऐसे में अगर मैं यह कहूं कि ग्रामीण इलाकों में अनुभव के आधार पर चिकित्सा कार्य करने वाले चिकित्सा मित्रों को यदि हटा दिया जाए तो सारी व्यवस्था भर भरा कर ढह जाएगी । ऐसे में इंडियन रूरल मेडिकोज सोसायटी कि यह मांग है कि बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं पर ज्यादा फोकस किया जाए। जीडीपी का एक बड़ा हिस्सा ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लोगों के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य पर खर्च किया जाए । यह सही है कि बजट 2026-27 में स्वास्थ्य क्षेत्र

को अब तक सबसे बड़ा बजट मिला है। कैंसर रोगियों को डे केयर के बाद अब सस्ती दवाएं मिले इसकी व्यवस्था की गई है। इससे केवल उत्तर प्रदेश में जो लाखों की संख्या में कैंसर पीड़ित है तथा करोड़ो की संख्या में शुगर के रोगी हैं उनको यकीनन लाभ होगा। लेकिन इसके साथ ही बुनियादी सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना और जीडीपी के हिसाब से स्वास्थ्य खर्च बढ़ाना अभी बड़ी जरूरत है। इसके साथ ही 145 करोड़ की आबादी वाले देश में अभी भी डॉक्टरों तथा पैरामेडिकल स्टाफ की काफी कमी है उस कमी को पूरा करने तथा आम आदमी को चिकित्सा सुविधा उसके घर के नजदीक सस्ती दरों पर मिल सके इसके लिए कथित झोलाछाप डॉक्टरों को एक समयबद्ध प्रशिक्षण देकर उन्हें चिकित्सा व्यवसाय में उतारा जा सकता है क्योंकि उनके पास स्किल तो है लेकिन डिग्री नहीं है और मोदी सरकार भी शायद स्किल को प्रोत्साहित कर रही है। कितने दुख की बात है कि स्वास्थ्य मंत्रालय अपना पिछला बजट ही पूरा नहीं खर्च कर पाया है ऐसे में सरकार से क्या उम्मीद की जा सकती है। वैसे इस बार के बजट में स्वास्थ्य सहायक पेशेवरो यानी ए एच पी की संख्या बढ़ाने के लिए एक नए कार्यक्रम का ऐलान किया गया है इसके तहत रेडियोलॉजी, एनेस्थीसिया, ओटी टेक्नोलॉजी, प्रायोगिक मनोविज्ञान और मानसिक स्वास्थ्य सहित 10 प्रमुख चिकित्सीय विधाओं में करीब 1 लाख स्वास्थ्य सहायकों को जोड़ा जाएगा। वैसे क्या ही अच्छा होता यदि सरकार इंडियन रूरल मेडिकोज सोसायटी तथा प्राइवेट मेडिकल प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन को प्रशिक्षित पेशेवरो को इसमें प्राथमिकता के आधार पर लेती। वैसे यह खुशी की बात है कि अब जिला अस्पतालों में आपातकालीन चिकित्सा एवं ट्रामा केयर सुविधाओ में भी बढ़ोतरी भी होगी तथा चिकित्सा पेशे से जुड़े लोगों के रोजगार सृजन पर भी ध्यान दिया जाएगा। साथ ही आयुर्वेद को भी बढ़ावा मिलेगा।

हमें भौतिक...

> प्रदीप छाजेड़

भारतीय सद्संस्कार व संस्कृति

> संस्कृति की सुरक्षा से ही हमारा सही से भविष्य उज्जवल बना रह सकता हैं। वह आदर्श भावी पीढ़ी का निर्माण सुगम बन सकता हैं ।

जैसी संस्कृति होती हैं वैसे ही संस्कार होते हैं । वह जब तक यह सामंजस्य बना रहेगा तब तक व्यक्ति और उसका व्यवहार दोनों की सुरक्षा होती रहेगी । भारत की संस्कृति बहुत प्राचीन संस्कृति हैं । भारतीय संस्कृति मूलतः सद्संस्कारों की संस्कृति हैं । ऋषि मुनियों की संस्कृति हैं । वे सारे संस्कार जो व्यक्ति और समाज को श्रेष्ठता की ओर ले जाते हैं । वह भारतीय संस्कृति हैं । एक घटना प्रसंग एक बुजुर्ग से किसी का सामना हो गया जो आज के > आधुनिकता के ज्वर से दुःखी लोगों के था। आज तरक्की और आधुनिकता के नाम पर कहने लगे भारतीय नागरिक अपने स्वभाविक खान-पान, रहन-सहन, दिनचर्या, आहार-विहार, वेश-भूषा और भाषा आदि तक को भी तिलांजलि दे कर खुश हो करना रहना चाहते हैं । इसका परिणाम शारीरिक, चारित्रिक, व सामाजिक पतन को गौण कर, आधुनिकता के नाम पर अपने आपको गौरवान्वित महसूस करना है । फलस्वरूप आज के बच्चों का हमारी गौरवशाली पुरातन संस्कृति से अनभिज्ञ रहना फलतः शनैः-शनैं उसे भूलते जाना हैं । इसका बतौर नमूना एक उदाहरण पश्चिमी वेश-भूषा से आकर्षित होकर, दौड़-दौड़ कर उसे अपनाना दृष्टव्य है। घर में माँ-बाप को प्रणाम करने को तो Backward समझना हैं और Bye-Bye, Haye-Hello आदि Most Forward हो गया हैं । संस्कार भी तो ऐसे में वैसे ही आएँगे और उनसे हम देश के गौरव की रक्षा करने की आशा करेंगे? यह गहन चिन्तन की बात केवल सरकार की ही नहीं है यह हम सबकी चिंता की बात है। हम संस्कार व सद्गुणों का बीजरोपण व विकास करें । हम बिना किसी को कष्ट पहुँचायें अहिंसक मार्ग को अपनायें । वह अपनी रुचि व संस्कारों के साथ जीवन में आगे से आगे बढ़ते जायें । हम स्वयं से स्वयं का निर्माण करें । आज के समय में बदलते दौर में देखा- देखी में पश्चिमात्य सांस्कृतिक प्रभाव से दुष्कृत्यों का उदय हो रहा हैं । भौतिकवाद,अर्थ, पद, प्रतिष्ठा एवं सांसारिक के चक्कर में हम हमेशा उलझें ही रहतें है । हमें भौतिक एवं आडंबर ग्रस्त संस्कृति जनित संस्कारों से दूरी बनायें रखना हैं । वह अपनी पहचान सुरक्षित रखनी हैं । वह जो अपने जीवन को संयमित और नियंत्रित करता है । उसका यह जीवन सदा ऊर्जाओं के स्रोतों से संवरता है। मुझे अमेरिका , यूरोप व आस्ट्रेलिया महाद्वीप में कहा की आपके विचार लेखन व आचरण में आपके गुरु और आपके निर्माता शिक्षक व जीवन में बढ़ाने वाले (दिवंगत शासन श्री मुनि श्री पृथ्वीराज जी स्वामी (श्री डुंगरगढ़) , साध्वी श्री कृतार्थ प्रभा जी , सुमति मुनि , रजनीश मुनि आदि) की ख़ुशबू सर्वत्र देखने को मिलती है । वह आपके अन्दर के भावों की उज्ज्वलता से आपके विचारों में सदैव भाव स्मरणीय व ऊर्जावान हैं । वह आपके विचारों में मार्मिकता की स्पष्ट झलक हैं । सुदूर विदेश में होकर भारतीय संस्कृति को मान देना भारतीय ऋषि परम्परा को गौरवान्वित करता हैं । ज्ञान की चक्षु को खोलकर प्रकाशित करने वाले आदर्श सत्कार संस्कृति को शब्द शब्द पिलाने वाले सभी गुरुओं के चरण कमलों में मेरा भावों से शत- शत वन्दन हैं । जैनों की भी एक सेवा , समर्पण, मैत्री , विसर्जन भावित संस्कृति रही हैं । वह जिसे मानव संस्कृति- विश्व संस्कृति कहा जा सकता हैं ।

जरा हटके

हाल ही में सुप्रीम...

डॉ.वेदप्रकाश

मासिक धर्म स्वास्थ्य पर सुप्रीम निर्णय के निहितार्थ

नारी सृष्टि है। संतान के रूप में बच्चे को जन्म देकर वह इस सृष्टि चक्र को निरंतरता प्रदान करती है। मासिक धर्म संतान उत्पत्ति हेतु तो विशेष है ही, यह महिलाओं के स्वास्थ्य की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। यह एक प्राकृतिक और जैविक प्रक्रिया है। एक अवस्था में मासिक धर्म का आरंभ होना और एक अवस्था तक इसकी निरंतरता किसी भी महिला के अच्छे स्वास्थ्य और गर्भधारण की क्षमता का संकेत देती है। किसी भी स्वस्थ महिला में मासिक धर्म की प्रक्रिया लगभग 5 से 6 दिन चलती है। इसमें शरीर से विषाक्त पदार्थ बाहर निकलते हैं और गर्भाशय आंतरिक रूप से स्वच्छ और स्वस्थ होता है। महिलाओं में मासिक धर्म यह भी सुनिश्चित करता है कि प्रजनन अंग स्वस्थ हैं और ठीक से काम कर रहे हैं। हमारा शरीर हार्मोनल संतुलन से चलता है। हारमोंस का घटना या बढ़ता उसे अस्वस्थ बनाता है। महिलाओं में मासिक धर्म उनके शरीर में एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन जैसे आवश्यक हार्मोन्स को नियंत्रित रखता है। मासिक धर्म महिलाओं के शरीर से अतिरिक्त आयरन और टॉक्सिन्स को बाहर निकालता है, जिससे उनका स्वास्थ्य बेहतर होने में सहायता मिलती है। यह विडंबना ही है कि महिला स्वास्थ्य से जुड़े हुए इस प्रकार के महत्वपूर्ण विषय को समाज में कई बार हीनता की भावना एवं घृणा की दृष्टि से देखा जाता है। जानकारी के अभाव में मासिक धर्म की स्थिति में सेनेटरी नैपकिन के स्थान पर गंदे कपड़े अथवा अस्वस्थ

तरीके अपनाए जाते हैं। कम उम्र की बेटियों को इस विषय में समुचित जानकारी न होने के कारण कई बार अपमान भी झेलना पड़ता है। घर की समझदार और उम्र में बड़ी महिलाएं भी उन्हें ठीक प्रकार से जानकारी देने के स्थान पर डांटती- फटकारती हैं। आज भी देश में कुछ स्थानों पर मासिक धर्म के दौरान महिलाओं को रसोई अथवा घर के अन्य लोगों से अलग रखा जाता है। ऐसी स्थिति में कई बार महिलाओं को मानसिक तनाव एवं प्रताड़ना भी झेलनी पड़ती है। जानकारी न होने के कारण महिलाएं लंबे समय तक एक ही सैनेटरी नैपकिन का प्रयोग करती हैं। यह अस्वस्थ प्रेक्टिस है। सेनेटरी पैड को समय-समय पर बदलना अनिवार्य है। ऐसा न होने की स्थिति में संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। मासिक धर्म के दौरान पौष्टिक भोजन एवं समुचित देखभाल आवश्यक है। इसके अभाव में स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ सकते हैं। सकारात्मक यह भी है कि देश के कुछ प्रदेश ऐसे भी हैं जहां पर पहली बार मासिक धर्म की सूचना मिलने पर परिवारों में उत्सव मनाया जाता है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने स्कूल जाने वाली लड़कियों के मासिक धर्म स्वास्थ्य पर अहम फैसला दिया है। कोर्ट ने मासिक धर्म स्वास्थ्य को जीवन के मौलिक अधिकार का हिस्सा बताते हुए शहरों व गांवों के निजी एवं सरकारी स्कूलों में लड़कियों को मुफ्त सेनेटरी पैड मुहैया कराने के आदेश दिए हैं। साथ ही कहा है कि स्कूल जाने वाले सभी लड़कियों व लड़कों के लिए अलग-अलग शौचालय बनाए जाएं और उनमें साबुन व निरंतर पानी की व्यवस्था की जाए। 126 पृष्ठ के फैसले में माननीय न्यायाधीशों ने कई दिशा निर्देश जारी किए हैं। पीठ ने मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता को जीवन के अधिकार और मुफ्त व अनिवार्य शिक्षा के अधिकार से जोड़ते हुए कहा है कि मासिक धर्म स्वच्छता उत्पादों की अनुपलब्धता लड़कियों की गरिमा को ठेस पहुंचाती है। मासिक धर्म स्वास्थ्य संविधान के अनुच्छेद 21 में मिले जीवन के मौलिक अधिकार के अंतर्गत आता है।

यूजीसी विनियम : संदेह की धुंध में तथ्यों की पड़ताल

उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव निवारण के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग(यूजीसी) के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। 13 जनवरी को जारी गजेटियर पर सामान्य वर्ग में उपजे प्रारंभिक भ्रम ने मीडिया ट्रायल के परिणामस्वरूप राष्ट्रव्यापी असंतोष और आक्रोश का रूप ले लिया। प्रावधानों को सामान्य वर्ग के लिए अन्यायपूर्ण बताने वाली जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान न्यायलय ने भी इसके गलत प्रयोग हो सकने की आशंका जताते हुए अगली सुनवाई तक इसपर रोक लगा दी। महज पंद्रह दिनों में सामान्य वर्ग के मध्य इन विनियमों से ऐसा भय व रोष व्याप्त हुआ जो विगत कई दशकों में नहीं देखा गया। भारत के उच्च शिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता और मानदंडों को विश्वस्तरीय वैश्विक बनाने के लिए उनमें शुचिता और समानता की स्थापना अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए यह आवश्यक हो जाता है कि नए नियमों पर आग्रह-पूर्वाग्रह जनित समर्थन और विरोध को दरकिनार कर विनियमों के कानूनी पहलुओं की गंभीरता से समीक्षा की जाए। गजेटियर के समस्त वाक्य-उपवाक्य के साथ ही उसके प्रारूप और व्यवस्थाओं को समझे बिना कोई निर्णय निकालना जल्दबाजी होगी। भारत में कानूनों के लिए पदानुक्रम व्यवस्था है जिसमें सबसे ऊपर भारत का संविधान है। तत्पश्चात संसद द्वारा पारित कानून और उसके बाद मंत्रालयों के नियमन आते हैं। इसका स्पष्ट अर्थ है कि कोई भी मंत्रालय या उसके अधीन कार्यरत आयोग संबंधित समूह के लिए जो भी नियमन करेगा, वह भारत की संसद द्वारा पारित कानून और हमारे संविधान के समस्त प्रावधानों के अधीन ही होगा। कोई भी मंत्रालय या आयोग ऐसा कोई प्रावधान प्रस्तुत नहीं कर सकता जो संविधान द्वारा स्थापित और संसद द्वारा पारित किसी कानून की अवहेलना करे।

-अनिल धर्मदेश

सोनभद्र में पीड़ित दरवाजे पर लात मारकर भिड़ गई, 2 अरेस्ट, महिला की हालत गंभीर

महिला वकील समेत 3 को टोल कर्मियों ने पीटा

टोल कर्मी और महिला अधिवक्ता के बीच विवाद में घायल गरिमा सिंह को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया।

घटना

तमसा संकेत, संवाददाता

सोनभद्र । सोनभद्र में महिला वकील और उनके तीन साथियों को टोल कर्मियों ने जमकर पीटा। इससे महिला वकील और उनके साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। एक महिला की हालत गंभीर है।

मारपीट का VIDEO भी सामने आया है। जिसमें टोल कर्मी लात-घूंसों से पिटाई करते नजर आ रहे हैं। जबकि लाल साड़ी में महिला वकील बीच-बचाव करती दिखीं। इसके बाद वह टोल बूथ के दरवाजे पर

लात मारकर भिड़ गईं। आरोप है कि टोल प्लाजा पर गाड़ियों की लंबी लाइन लगी थी। महिला वकील ने देरी का कारण पूछा तो टोल कर्मी भड़क गए। टोल कर्मी और महिला अधिवक्ता के बीच विवाद होने लगा। इसके बाद टोल कर्मियों ने हमला कर दिया। घटना को लेकर वकीलों में भारी आक्रोश है।

पुलिस ने केस दर्ज करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामला रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र का है।

रॉबर्ट्सगंज की रहने वाली वकील आरती ने बताया- वह कार से नवीन कुमार सिंह, गरिमा सिंह और अवनीश दुबे के साथ ओबरा थाने के लिए निकली थीं। रविवार शाम करीब 4 बजे लोढ़ी टोल प्लाजा पर बैरियर लेन में गाड़ियों की लंबी कतार लगी थी। गाड़ी से उतरकर नवीन सिंह टोल बूथ काउंटर पर पहुंचे और जाम का कारण जानने का प्रयास किया। आरोप है कि बूथ के अंदर बैठे टोलकर्मी ने नवीन सिंह

टोल प्लाजा को लेकर आ रही शिकायतें

प्रदेश भर में टोल प्लाजा को लेकर आ रही शिकायतें बार एसोसिएशन अध्यक्ष अशोक कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि अधिवक्ता आरती पांडेय अपनी दादी के घर ओबरा जा रही थीं। टोल पर आधा दर्जन से अधिक टोल कर्मियों ने कलाई के कड़े और डंडों से हमला किया। उन्होंने कहा- प्रदेश भर में टोल प्लाजा को लेकर लगातार शिकायतें सामने आती रही हैं। उन्होंने लोढ़ी टोल प्लाजा को तत्काल हटाने की मांग की। कहा कि यह गलत तरीके से स्थापित है। अध्यक्ष ने बताया कि आगे की रणनीति तय करने के लिए वकीलों की आम सभा की बैठक बुलाई जाएगी। बहुमत के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

को मां-बहन की गालियां दीं और जान से मारने की धमकी दी। जब नवीन सिंह वापस नहीं लौटे, तो अवनीश दुबे उन्हें देखने गए। इसी दौरान दो टोल कर्मियों ने नवीन सिंह पर हमला कर दिया और धक्का-मुक्की शुरू हो गई।

बीच-बचाव करने पहुंचे अवनीश दुबे के साथ भी मारपीट की गई। आरोप है कि चार से पांच टोल कर्मियों ने दोनों को जमीन पर पटक-पटक कर पीटा।

सीओ सिटी रणधीर मिश्रा ने बताया रॉबर्ट्सगंज थाना क्षेत्र के लोढ़ी टोल प्लाजा पर महिला अधिवक्ता के परिजनों के साथ टोल कर्मियों द्वारा विवाद किया गया। इस मामले में महिला अधिवक्ता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करके दो आरोपियों की गिरफ्तार किया गया है। सीसीटीवी फुटेल खंगाल कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संजय वर्मा के घर का सारा गृहस्थी का सामान जलकर राख

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र अंतर्गत बेलहरा नगर पंचायत के सौरगा मोहल्ले में रविवार की देर रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब संजय वर्मा के घर में अचानक शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे घर में रखा सारा गृहस्थी का सामान जलकर राख हो गया। प्रत्यक्ष-दर्शियों के अनुसार घटना रविवार देर रात की है, जब परिवार के सभी सदस्य घर में सो रहे थे। इसी दौरान अचानक शॉर्ट सर्किट के चलते आग लग गाई, जिससे घर के एक कमरे में आग लग गई। आग की लपटें उठती देख परिजनों में हड़कंप मच गया। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया।

स्थानीय लोगों ने बाल्टियों, पाइप और अन्य साधनों की मदद से आग पर काबू पाने की कोशिश की। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण तो पा लिया गया, लेकिन तब तक घर में रखा कीमती सामान, जिसमें पलंग, बिस्तर, कपड़े, अनाज, बर्तन, घरेलू इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और जरूरी कागजात शामिल थे, पूरी तरह जलकर नष्ट हो चुके थे। जिसमें नगदी सहित लाखों रुपए का नुकसान हुआ है।

जिलाधिकारी ने किया बिपिन बिहारी इंटर कालेज का औचक निरीक्षण

साफ सफाई एवं स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के दिए निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

झाँसी। नगर के बिपिन बिहारी इंटर कालेज के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी श्री मृदुल चौधरी ने निपुण भारत के अंतर्गत बनाए गए रजिस्टर को चेक करते हुए रजिस्टरों के अनुसार बच्चों की पढ़ाई की गुणवत्ता को चेक किया। एवं अध्यापकों को निर्देशित करते हुए कहा कि अपनी-अपनी क्लास का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने सुझाव दिया कि अध्यापक अपने आवंटित विषय को ही पढ़ाएं ताकि वह बच्चों को गुणवत्तापूर्ण पढ़ा सकें। उन्होंने कहा कि बच्चों की पढ़ाई की गुणवत्ता प्रत्येक दशा में बेहतर की जाए। उन्होंने स्कूल के पास साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखे जाने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने कक्ष में जाकर बच्चों से अंग्रेजी एवं गणित के सामान्य प्रश्न पूछे और उनके बौद्धिक स्तर की जानकारी ली, सभी प्रश्नों के सही उत्तर देने पर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की विपिन बिहारी इंटर कालेज में जिलाधिकारी श्री मृदुल चौधरी ने बच्चों के मिड-डे-मील (एमडीएम) में बनाए भोजन (तहरी) को खाकर उसकी गुणवत्ता व स्वाद पर संतोषव्यक्त किया। जब उन्होंने उपस्थित बच्चों से मिड डे मील के संबंध में जानकारी प्राप्त की तो प्रथम दृष्टया यह पाया गया कि मिड डे मील आज विलंब से वितरित किया गया है जिस पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए समय से बच्चों को मध्यान भोजन उपलब्ध कराए जाने तथा मीनू अनुसार भोजन दिये जाने के निर्देश दिए। निरीक्षण करते हुए उन्होंने भोजनशाला का भी भ्रमण किया। भोजनशाला के पीछे दीवार पर स्थित खिड़कियों की जाली टूटी हुई हैं जिनसे चूहों के आने की संभावना है, निर्देश देते हुए उन्होंने तत्काल भोजन की शुचिता बनाए रखने के दृष्टिगत उक्त खिड़कियों की जालियों तत्काल ठीक करे जाने के निर्देश दिए।

मंसूरी सोलर एनर्जी शॉप का हुआ उद्घाटन

तमसा संकेत, संवाददाता

झांसी। आज सीपरी बाजार स्थित नेहरू पार्क के पास मंसूरी सोलर एनर्जी शॉप का उद्घाटन हुआ,तमाम दोस्त, एहबाब,और रिश्तेदार शॉप के उद्घाटन में मौजूद रहे, शॉप के पार्टनर दानिश मंसूरी एवं मोहम्मद अज़ीजी ने शॉप पर आए सभी लोगों को प्रधानमंत्री सूर्य घर बिजली योजना के बारे में जानकारी दी,उन्होंने बताया कि 3 किलो वाट से लेकर 10 किलो वाट तक के सोलर प्लांट पर सरकार द्वारा कितनी सब्सिडी दी गई है, तथा ग्राहकों को दस परसेन्ट के हिसाब से कितना रुपया जमा करना है,वही मंसूरी सोलर एनर्जी के पार्टनर दानिश मंसूरी ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत 3 किलोवाट से लेकर 10 किलो वाट तक के सोलर प्लांट लगवाने पर किस तरह बैंक द्वारा नब्बे परसेन्ट सरकारी सब्सिडी मिलेगी, तथा ग्राहकों को दस परसेन्ट के हिसाब से कितना पैसा जमा करना होगा, इसके बावजूदअगर ग्राहक

मेहमानों की मौजूदगी में अकबर मंसूरी एवं मोहम्मद अजीजी ने फीता काटकर रश्म अदा की!

के पास सब्सिडी जमा करने की राशि नहीं है तो उसका भी रास्ता उनके पास है, इस योजना से कोई मायूस नहीं होगा उनकी मंशा है कि प्रधानमंत्री एवं प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ की सूर्य घर योजना को जन-जन तक पहुंचाया जाए, ताकि कोई भी नागरिक इस योजना के लाभ से वंचित न रहे, इस मौके पर जीशान मेहरबान, दानिया मंसूरी,आरिफ मंसूरी, आजीजी परिवार समेत तमाम मंसूरी दोस्त, अहबाब मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय अकादमिक उपलब्धि का स्वागत समारोह आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली। बरेली कॉलेज, बरेली के इतिहास में पहली बार शोधार्थियों की ओर से एक भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रो. राजेन्द्र सिंह के सम्मान में आयोजित किया गया, जो हाल ही में उज़्बेकिस्तान से सफल अकादमिक यात्रा एवं अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग (MoU) के पश्चात् भारत लौटे हैं।

इस अवसर पर कॉलेज के माननीय प्राचार्य महोदय, चीफ प्रॉक्टर श्री आलोक खरे सहित अनेक वरिष्ठ शिक्षकगण की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान अंतरराष्ट्रीय अकादमिक एवं सांस्कृतिक सहयोग के प्रतीक स्वरूप उज़्बेकिस्तान की पारंपरिक वेश-भूषा के माध्यम से सम्मान प्रस्तुत किया गया। अपने संबोधन में वक्ताओं ने कहा कि यह उपलब्धि न केवल प्रो. राजेन्द्र सिंह के लिए, बल्कि पूरे बरेली कॉलेज के लिए गर्व का विषय है। इस अंतरराष्ट्रीय सहयोग से शोध, उच्च शिक्षा और अकादमिक आदान-प्रदान के नए अवसर सृजित होंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. जसपाल सिंह, डॉ. गौरव भूषण, डॉ. अनामिका अग्रवाल एवं डॉ. निष्ठा सेठ का विशेष सहयोग रहा, जिनके मार्गदर्शन से आयोजन सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ।

यह आयोजन मुकेश कुमार, अंजली, आफरी जुल्फिकार, अमित एवं संजीव द्वारा अपने शोध मार्गदर्शक (Research Guide) के सम्मान में आयोजित किया गया। शोधार्थियों ने इसे अपने लिए प्रेरणादायी क्षण बताते हुए भविष्य में भी ऐसे अकादमिक प्रयासों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसके पश्चात् अतिथियों के लिए चाय-पान की व्यवस्था की गई।

प्रवासी पंछियों का अद्भुद संगम बर्ड वाचिंग एवं पर्यावरण जागरूकता गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन

सूरतगंज बाराबंकी। वन जिलाधिकारी आकाशदीप वधावन के निर्देशन में फतेहपुर के क्षेत्रीय वनाधिकारी पी.के.सिंह की अगुवाई में विश्व वेट-लैंड के अवसर पर स्थानीय व प्रवासी पंछियों का अद्भुद संगम बर्ड वाचिंग एवं पर्यावरण जागरूकता गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सोमवार को फतेहपुर वन क्षेत्र सूरतगंज ब्लॉक इलाके के भगहर झील पर आयोजित किया गया। जिसमें मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए फतेहपुर वन क्षेत्राधिकारी पी.के.सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है। प्रकृति हम सभी को बराबर में रखकर ऊर्जा देती है फिर चाहे प्रकृति के पेड़ ऑक्सीजन,हवा,फल,औषधि देते हैं या जल मिलता सबकुछ बराबर मिलता है।

12 वर्षों के बाद भी यह वादा पूरा नहीं किया गया, बुंदेलखंड की जनता स्वयं को ठगा महसूस कर रही

अखण्ड बुंदेलखंड क्षेत्र की जनआक्रोश वृहद रथ यात्रा

तमसा संकेत, संवाददाता

झांसी। बुंदेलखंड निर्माण मोर्चा के अध्यक्ष भानू सहाय ने पत्रकार वार्ता ने कहा कि बुंदेलखंड क्षेत्र के निवासी वर्षों से अपने अलग राज्य की माँग करते आ रहे हैं। वर्ष 2014 में देश की जनता से बुंदेलखंड को अलग राज्य बनाने का वादा किया गया था, जिस पर विश्वास करके हम बुन्देलियो ने सरकार को भारी समर्थन दिया।

दुर्भाग्यवश, 12 वर्षों के बाद भी यह वादा पूरा नहीं किया गया। इससे बुंदेलखंड की जनता स्वयं को ठगा महसूस कर रही है। आज भी हमारा क्षेत्र बेरोजगारी, गरीबी, सूखा, पलायन, शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है। बुंदेलखंड

को अलग राज्य बनाए बिना इन समस्याओं का स्थायी समाधान संभव नहीं है। बार-बार आश्वासन देने के बाद भी ठोस कदम न उठाना जनता के साथ विश्वासघात है। भानू सहाय ने बताया कि वनवासी राम (चित्रकूट) से राम राजा सरकार के चरणों (ओरछा धाम) तक की अखण्ड बुंदेलखंड क्षेत्र यात्रा दिनांक 16 फरवरी से 13 मार्च तक प्रथम चरण की जनआक्रोश रथ यात्रा की जा रही है। रथ यात्रा का मार्ग चित्रकूट, बांदा, पन्ना, दमोह, सागर, टीकमगढ़, ललितपुर, दतिया, उरई, हमीरपुर, महोबा, छतरपुर, निवाड़ी, झांसी देहात, झांसी एवं ओरछा में यात्रा सम्पन्न होगी। रथ यात्रा

जो बुंदेलखंड का नहीं वो किसी काम का नहीं

पत्रकार वार्ता में अशोक सक्सेना एडवोकेट महामंत्री, रघुराज शर्मा प्रवक्ता, गिरजा शंकर राय, उत्कर्ष साहू अनिल कश्यप, हनीफखान, प्रदीप नाथ झा एडवोकेट, रजनीश श्रीवास्तव एडवोकेट, अरुण रायकवार , शंकर रायकवार, विजय रायकवार, राजेंद्र कुमार पूर्व पार्षद, चौधरी मुहम्मद कुरैशी, चौधरी राहत कुरैशी, रोहन कुमार आदि उपस्थित रहे ।

ने एक लाख संघर्ष करने वाले बुंदेली योद्धा तैयार किए जाएंगे जो बुंदेलखंड क्षेत्र के हर गांव और मजरों से होंगे। रथ यात्रा में बुंदेलखंड राज्य का समर्थन नहीं करने वाले जनप्रतिनिधियों को आईना दिखाने के लिए राम कौ कॉल (राम की कसम) अभियान पुनः प्रारम्भ किया जा रहा है, इस बार गंगाजली भी उठवाई जाएगी। बुंदेलखंड राज्य का समर्थन नहीं करने वाले जनप्रतिनिधियों को चुनाव में हरवाने का कार्य किया जाएगा। चुनाव आते ही जो नेता बुंदेलखंड राज्य की राग अलापने लगते है वो अब स्वीकार नहीं होगा।

11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन विद्युत लाइन को लेकर चिंता

तमसा संकेत, संवाददाता

रामनगर, बाराबंकी। तहसील क्षेत्र के ग्राम सड़कपुरवा मजरे मीतपुर निवासी राजेश कुमार त्रिवेदी पुत्र गिन्नी लाल त्रिवेदी ने अपने मकान के सामने से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन विद्युत लाइन को लेकर गंभीर चिंता जताई है। पीड़ित का कहना है कि मकान के सामने से गुजर रहा हाईटेंशन तार छज्जे के काफी करीब होने के चलते कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकता है।राजेश कुमार त्रिवेदी के अनुसार उनका मकान सड़क किनारे स्थित है, जहां घर में छोटे-छोटे बच्चे भी रहते हैं। ऐसे में हर समय जानमाल के नुकसान की आशंका बनी रहती है। उन्होंने मांग की है कि उनके घर के सामने लगे विद्युत खंभे को सड़क के उस पार स्थानांतरित कर दिया जाए, ताकि

हाईटेंशन लाइन मकान के ऊपर से न गुजरे। पीड़ित का कहना है कि खंभा स्थानांतरित किए जाने से गांव के किसी भी व्यक्ति को कोई असुविधा नहीं होगी, क्योंकि खंभे को पश्चिम दिशा से हटाकर पूर्व दिशा में सड़क के उस पार लगाया जाना है। इस संबंध में उन्होंने विद्युत वितरण खंड रामनगर के अधिशासी अधिकारी को लिखित शिकायत भी सौंप दी है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते खंभा स्थानांतरित कर दिया जाए तो किसी भी संभावित दुर्घटना से बचा जा सकता है। इस संबंध में अधिशासी अभियंता हरिपाल सिंह ने बताया कि शिकायत पत्र प्राप्त हुआ है, मौके की स्थिति का निरीक्षण कर समस्या का समाधान कराया जाएगा।

मीडिया क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए अजय चौधरी को मीडिया आइकन अवार्ड

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। एस्थेटिक इंटरनेशनल द्वारा मीडिया के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए एमआईईटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के मीडिया हेड अजय चौधरी को प्रतिष्ठित 'मीडिया आइकन अवार्ड 2026' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें मीडिया एवं शिक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय और निरंतर योगदान के लिए प्रदान किया गया।

सम्मान समारोह में एस्थेटिक इंटरनेशनल के फाउंडर तन्मय शर्मा तथा एमआईईटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन विष्णु शरण ने संयुक्त रूप से उन्हें यह अवार्ड प्रदान किया।

उल्लेखनीय है कि अजय चौधरी पिछले 17 वर्षों से पत्रकारिता और शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय रहते हुए उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। वे उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट्स, संबद्ध नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) के उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष हैं, साथ ही मेरठ से उपज पत्रकार यूनियन के अध्यक्ष भी हैं। अपने उल्लेखनीय कार्यों के लिए उन्हें अब तक 100 से अधिक राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

संदेश : कथा के दौरान महाराज श्री ने कहा कि आज का मनुष्य धन को अमृत समझ बैठा है

आज का मनुष्य धन को अमृत समझ बैठा है : चंद्रशेखर महाराज

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। ब्लॉक क्षेत्र के परमहंस आश्रम टड़वा धाम स्थित स्वामी निरंकार आश्रम में सुमली नदी घाट पर रविवार से प्रारंभ हुए 10 दिवसीय वसंत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित श्रीराम कथा के दूसरे दिन कथा वाचक महाराज चंद्रशेखर ने अपने प्रवचन के माध्यम से श्रोताओं को गहन आध्यात्मिक संदेश दिया।

कथा के दौरान महाराज श्री ने कहा कि आज का मनुष्य धन को अमृत समझ बैठा है और उसी धन के लिए जीवनभर संघर्ष करता रहता है, यहां तक कि अपने प्राणों की भी बाज़ी लगा देता है। लेकिन जब जीवन का अंतिम समय आता है तो वही परिवार, जिसके लिए उसने

अच्छे-बुरे हर रास्ते से धन कमाया, उसे गद्दे से उतारकर जमीन पर सुला देता है। उन्होंने भावुक शब्दों में कहा कि जिस परिवार के लिए इंसान जीवनभर धन जोड़ता है, वही परिवार अंत समय में एक गद्दा तक बिगाड़ना नहीं चाहता। महाराज श्री ने कहा कि मानव जीवन अत्यंत क्षणभंगुर है, यह कब रुक जाए कोई नहीं जानता। यह संसार एक मुसाफिरखाना है, जहां कोई स्थायी नहीं है। उन्होंने धर्म के नाम पर हिंसा और क्रूरता करने वालों पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि "धर्म की आड़ में कसायों

कथा वाचक ने आत्मा के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आत्मा के भीतर जो ज्ञानमय, दर्शनमय और चारित्रमय स्वरूप है, उसे प्राप्त करने के लिए मनुष्य को अपनी सुबुद्धि का उपयोग करना चाहिए। सत्य की खोज आत्मा के भीतर ही करनी चाहिए।

को मजबूत मत बनाओ, जितना कसाय कम होगा, मोक्ष उतना ही निकट होगा।"उन्होंने बताया कि मनुष्य जन्म बड़े पुण्योदय से प्राप्त होता है, इसलिए

इसे व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए। सत्य और धर्म के मार्ग पर चलते हुए मोक्ष मार्ग को सरल बनाना ही जीवन का परम उद्देश्य है। महाराज श्री चंद्रशेखर जी ने कहा कि हमें कुबुद्धि का त्याग कर सुबुद्धि को अपनाना चाहिए। इस संसार में वास्तव में अपना कुछ भी नहीं है, यदि कुछ अपना है तो केवल स्वयं की आत्मा है, बाकी सब मिथ्या है। उन्होंने शरीर की नश्वरता का उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे कांच की एक सुंदर बोतल देखने में आकर्षक लगती है, लेकिन वही बोतल टूट जाए तो चुभने लगती है। ठीक उसी प्रकार यह मानव शरीर भी नाशवान और क्षणभंगुर है, इसलिए इससे मोह नहीं रखना चाहिए।

श्रीराम कथा के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उपस्थित रही और सभी ने कथा का श्रवण कर आत्मिक शांति का अनुभव किया।

आगामी फाल्गुनी मेले की तैयारियों को लेकर निरीक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

रामनगर बाराबंकी। सुप्रसिद्ध लोधेश्वर महादेवा धाम में आगामी फाल्गुनी मेले की तैयारियों को लेकर सोमवार शाम ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एवं जिलाधिकारी गुंजिता अग्रवाल ने मेला क्षेत्र का व्यापक निरीक्षण किया। उन्होंने पूरे मेला परिसर का पैदल भ्रमण कर व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने बोहनिया तालाब, रैन बसेरा, बैरिकेडिंग व्यवस्था, पंचायत भवन, मंदिर परिसर, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल सुविधा, शिव अपहरण सरोवर सहित जिला पंचायत द्वारा निर्मित विभिन्न परिसरों का अवलोकन किया। इस दौरान जहां-जहां कमियां पाई गईं, उन्हें तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए।ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने बताया कि फाल्गुनी मेला आगामी 5 फरवरी से

प्रारंभ हो रहा है, ऐसे में सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए साफ-सफाई, यातायात व्यवस्था, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ रखने के निर्देश दिए।उन्होंने अधिकारियों को आपसी समन्वय बनाकर कार्य करने और मेला अवधि के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न होने देने के लिए सतर्क रहने को कहा। साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों को अपने-अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करने का निर्देश दिया।

यूपी पुलिस ने चार को बचाया, रात के अंधेरे में घने जंगल के रास्ते ला रहे थे

जिस्मफरोशी के लिए नेपाल से लाई जा रहीं लड़कियां

भंडाफोड़

तमसा संकेत, एजेंसी

श्रावस्ती। यूपी के श्रावस्ती में पुलिस ने नेपाल से लड़कियों की तस्करी का बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ किया। दो तस्कर नौकरी का झांसा देकर चार लड़कियों को रात के अंधेरे में घने जंगल के रास्ते बॉर्डर पार ला रहे थे। खुफिया इनपुट के आधार पर SSB और पुलिस पहले से एक्टिव थी। उन्हें पकड़ने के लिए जाल बिछाया।

आहट होते ही तस्करों को घेर लिया। पुलिस को देखकर बाइक सवार तस्कर घबरा गए। बाइक छोड़कर भागने लगे। पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को गिरफ्तार किया और लड़कियों बचाया।

पूछताछ में तस्करों ने बताया कि लड़कियों को ऑर्केस्ट्रा में काम दिलाने का लालच दिया था। उन्हें जिस्मफरोशी के धंधे में उताने की तैयारी थी। पुलिस ने बताया कि लड़कियां बेहद डरी हुई थीं। जोर-जोर से रोने लगीं। रेस्क्यू टीम के साथ मौजूद महिला सिपाहियों ने लड़कियों की काउंसिलिंग की। शांत कराया। तब जाकर उन्होंने पूरी कहानी बताई। मामला 31 जनवरी का है। जिसका खुलासा पुलिस ने रविवार को किया। 31 जनवरी को SSB और पुलिस के बीच बॉर्डर कोऑर्डिनेशन मीटिंग हुई। इस दौरान नेपाल-भारत बॉर्डर पर से हो रही मानव तस्करी के खिलाफ एक्शन को लेकर रणनीति बनाई गई। मीटिंग में सिरसिया थाना के सब-इंस्पेक्टर दीपक गिरि भी शामिल हुए थे।

इस दौरान मुखबिर ने गंभीर सूचना दी कि दो भारतीय युवक नेपाल से चार नेपाली लड़कियों को जंगल के रास्ते मोटरसाइकिल से भारत ला रहे हैं।

आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया

आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 2 मोटरसाइकिल, 1 आधार कार्ड और 2 मोबाइल फोन बरामद किए। पुलिस ने मानव तस्करी से जुड़े गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

सभी 4 लड़कियों को बाइक से जंगल के रास्ते भारत लाया जा रहा था। ऑर्केस्ट्रा में काम दिलाने का झांसा दिया था।

नेपाल सीमा से मानव तस्करी का नेटवर्क

पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हरिराम यादव और रामरूप के रूप में हुई। दोनों आरोपी श्रावस्ती के थाना सिरसिया के बभनी कुकुरभुकवा गांव के रहने वाले हैं। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी नेपाल सीमा से मानव तस्करी का नेटवर्क चला रहे थे।

पुलिस का कहना है कि लड़कियों को फिलहाल एक एनजीओ के हवाले कर दिया गया है। कागजी कार्रवाई पूरी होने के बाद उन्हें वापस घर भेजने की व्यवस्था की जाएगी। उनके बयान दर्ज किए जाएंगे, ताकि नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका का खुलासा हो सके।

संजय सेतु की मरम्मत को लेकर तैयारी शुरू

तमसा संकेत, संवाददाता

रामनगर (बाराबंकी)। बांदा बहराइच हाईवे पर स्थित संजय सेतु की मरम्मत को लेकर सोमवार को विभागीय हलचल तेज दिखाई दी। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की मशीनें पुल पर पहुंचीं और तकनीकी जांच की प्रक्रिया शुरू की गई। हालांकि, पुल पर यातायात को पूर्ण रूप से बंद करने और रूट डायवर्जन लागू करने को लेकर शासन से अभी तक अनुमति नहीं मिल सकी है।गौरतलब है कि बाराबंकी–गोंडा हाईवे पर स्थित संजय सेतु पर वाहनों का अत्यधिक दबाव रहता है। इसके चलते आए दिन पुल की सतह पर गड्ढे हो जाते हैं और जॉइंट्स में गंभीर दरारें उभर आती हैं। विभाग द्वारा समय-समय पर मरम्मत कार्य कराया जाता रहा है, लेकिन करीब 40 वर्ष पुराने इस पुल में बार-बार तकनीकी खामियां सामने आ रही हैं।इसी को ध्यान में रखते हुए एनएचएआई ने पूरे पुल की व्यापक मरम्मत कराने का प्रस्ताव तैयार किया है। इसके लिए 10 फरवरी से लगभग दो माह तक रूट डायवर्जन लागू करने की अनुमति मांगते हुए एडीजी ट्रैफिक को पत्र भेजा गया है। हालांकि, शासन स्तर से अभी तक अंतिम स्वीकृति नहीं मिली है। सोमवार को विभागीय कर्मचारियों ने संजय सेतु पर पहुंचकर मशीनों की मदद से पुल की संरचनात्मक जांच शुरू की। इस संबंध में जेई सद्दाम ने बताया कि शासन से मंजूरी मिलते ही मरम्मत कार्य तत्काल शुरू कर दिया जाएगा।

जांच के लिए पहुंचीं विभागीय मशीनें, रूट डायवर्जन पर अभी फैसला नहीं

फास्ट न्यूज

महिला की हत्याकर शव फेंका

आगरा । आगरा के रोहता गांव में सोमवार सुबह एक महिला का शव बरामद हुआ है। महिला की हत्या कर शव को एक मकान की सीढ़ियों के पास फेंका गया था। सूचना मिलने पर थाना सदर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

घटना का खुलासा तब हुआ जब सुबह ग्रामीण टहलने निकले। उन्होंने एक मकान की सीढ़ियों से खून बहते देखा, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई।

पोस्ट ऑफिस ठगी की मास्टर माइंड महिला टीचर अरेस्ट

कानपुर । पोस्ट ऑफिस में पैसे जमा कराने के नाम पर लोगों से करीब 40 लाख की ठगी करने वाली सरकारी टीचर को अनवरगंज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। टीचर इतनी शातिर थी कि लोगों से ठगी करने के बाद पति से तलाक लिया और नजीराबाद निवासी दूसरे युवक के साथ रहने लगी थी। एक साल पहले उसकी महोबा स्थित सरकारी विद्यालय में शिक्षिका के पद पर नियुक्ति हो गई थी। आरोपी महिला पोस्ट ऑफिस में एजेंट थी, उसने अपने पति और सास के साथ मिलकर लोगों से ठगी की। बीते 4 जनवरी को आरोपी पति को पुलिस ने जेल भेजा था।

एसीपी की 3 फेक आईडी बनाकर जालसाजी

आगरा। साइबर क्रिमिनल अब तक आम आदमी के फेक आईडी बनाकर लोगों को अपना शिकार बना रहे थे, लेकिन अब अपराधियों ने पुलिस अधिकारियों की फर्जी प्रोफाइल बनाकर ठगी करना शुरू कर दिया है। आगरा में सदर एसीपी की फोटो लगाकर एक नहीं तीन - तीन फर्जी फेसबुक आईडी बना ली। उन आईडी पर परिचितों को जोड़कर पुराना फर्नीचर बेचने के नाम पर रुपये मांगने शुरू कर दिए।

यूपी के 27 जिलों में ओले-बारिश का अलर्ट

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। यूपी में बारिश और ओले गिरने से मौसम बिगड़ गया है। आज यूपी के 27 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश और ओले का अलर्ट है। 16 जिलों में आंधी भी चल सकती है। इस बीच गाजियाबाद, आगरा, मेरठ समेत 30 जिलों में कोहरा छाया है।

कई जगह विजिबिलिटी शून्य तक सिमट गई। बर्फीली हवाओं से गलन बढ़ गई है। पारा एक बार फिर 6.5C तक पहुंच गया है। सड़कों पर सन्नाटा है। गाड़ियों से बाहर निकले लोग गर्म कपड़ों, ग्लब्स में दुबके दिखाई दिए। जगह-जगह लोग अलाव ताप रहे हैं।

कोहरे के चलते सड़क, रेल और हवाई यातायात चरमरा गया है। कानपुर समेत कई रेलवे स्टेशनों पर 40 से ज्यादा ट्रेनें लेट हैं। रविवार को लखनऊ में दम्माम से आया विमान आधे घंटे चक्कर लगाकर लौट गया। रायबरेली समेत 4 जिलों में 8 गाड़ियां टकराईं। होमगार्ड समेत 2 की मौत हो गई। वन दरोगा समेत 10 लोग घायल हो गए।

मौसम विभाग ने बताया कि पश्चिमी यूपी के साथ दिल्ली-NCR और उत्तराखंड से सटे तराई क्षेत्रों में गरज-चमक और तेज हवा के साथ बारिश का दौर जारी है। कल बरेली समेत 15 जिलों में दिनभर रुक-रुक कर बारिश होती रही।

आंधी चलेगी, 30 शहरों में कोहरा, बर्फीली हवाओं ने बढ़ाई गलन 3 दिन बिगड़ा रहेगा मौसम

ससुराल और मायके पक्ष के बीच हुए विवाद ने पूरे घटनाक्रम को और संवेदनशील बना दिया

दहेज प्रताड़ना के आरोपों के बीच अंतिम संस्कार में बवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। सुबेहा थाना क्षेत्र में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद मामला लगातार गंभीर होता जा रहा है। मृतका के अंतिम संस्कार के दौरान ससुराल और मायके पक्ष के बीच हुए विवाद ने पूरे घटनाक्रम को और संवेदनशील बना दिया। चिता जलाने को लेकर शुरू हुई कहासुनी देखते ही देखते मारपीट में बदल गई, जिससे गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

घटना चौधरी का पुरवा गांव की है, जहां मृतका सुनीता का अंतिम संस्कार किया जा रहा था। सुनीता की शादी लगभग छह महीने पहले लालू का पुरवा मजरा जमीन हुसैनाबाद निवासी सूरज पुत्र रामदुलारे से हुई थी। शादी के कुछ ही महीनों बाद से दहेज को लेकर विवाद शुरू होने के आरोप मायके पक्ष ने लगाए हैं। मृतका के पिता सहज राम का आरोप है कि उन्होंने शादी में अपनी सामर्थ्य के अनुसार दहेज दिया था, इसके बावजूद ससुराल पक्ष द्वारा सोने की चेन और मोटरसाइकिल की मांग को लेकर उनकी बेटी को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। परिजनों का कहना है कि दिसंबर माह में पति सूरज के अहमदाबाद चले जाने के बाद भी मोबाइल फोन के जरिए सुनीता पर दबाव बनाया जाता रहा।

31 जनवरी की शाम मायके पक्ष को एक रिश्तेदार के माध्यम से सूचना मिली कि सुनीता की हालत गंभीर है और उसे सीएचसी शुकुल-बाजार ले जाया गया है। जब परिजन अस्पताल पहुंचे तो उन्हें सुनीता की मौत की जानकारी दी गई।

> सोमवार को जब चौधरी का पुरवा गांव में अंतिम संस्कार की प्रक्रिया चल रही थी, तभी ससुराल और मायके पक्ष की महिलाओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए। देखते ही देखते विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। स्थिति बिगड़ती देख ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी।

दोनों पक्षों को समझाकर स्थिति को नियंत्रित किया

सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक यशकांत सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों को समझाकर स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने ससुराल पक्ष के कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक यशकांत सिंह ने बताया कि मृतका की मौत और अंतिम संस्कार के दौरान हुए विवाद को लेकर मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट व तहरीर के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि मौके पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है।

पुराने स्थानों पर दुकान लगाने से रोके जाने पर नाराज़गी

फाल्गुनी मेले से पहले लोधेश्वर महादेवा में दुकानदारों में असमंजस

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (सूरतगंज) । ब्लॉक क्षेत्र अंतर्गत लोधेश्वर महादेवा मंदिर परिसर में प्रतिवर्ष लगने वाले ऐतिहासिक फाल्गुनी मेले को लेकर इस बार दुकानदारों में भारी असमंजस और नाराज़गी देखी जा रही है। वर्षों से मेले में निर्धारित और परंपरागत स्थानों पर दुकान लगाने वाले दुकानदारों को इस बार पुराने स्थानों पर दुकान लगाने की अनुमति नहीं दी जा रही है, जिससे बाहर से आए दुकानदारों को इधर-उधर भटकना पड़ रहा है।

गौरतलब है कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी लोधेश्वर महादेवा में फाल्गुनी मेले का आयोजन चंद दिनों में शुरू होने जा रहा है। मेले को लेकर प्रशासन द्वारा युद्धस्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। क्षेत्रीय दुकानदारों के साथ-साथ दूर-दराज के जनपदों से भी बड़ी संख्या में दुकानदार मेला क्षेत्र में दुकान लगाने के लिए अपना सामान लेकर पहुंच चुके हैं। इसी तरह कस्बा रामनगर निवासी अभय चौरसिया ने बताया कि उनकी दुकान दो पीढ़ियों से उसी स्थान पर लगती आ रही है, लेकिन इस बार वहां भी दुकान लगाने से रोक दिया गया है, जिससे उनका परिवार चिंतित है। इस संबंध में हल्का लेखपाल संतोष कुमार ने बताया कि जिस भूमि पर दुकानदार दुकान लगाना चाहते हैं, वह भूमि विवादित है, इसलिए वहां दुकान लगाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। वहीं दूसरी ओर मठ रिसीवर का कहना है कि जिन स्थानों पर पूर्व में दुकानें लगती रही हैं, वह भूमि मठ की है और उस पर किसी प्रकार का कोई विवाद नहीं है।

मामले को लेकर तहसीलदार विपुल सिंह ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि विवादित भूमि को छोड़कर सभी दुकानदारों को नियमानुसार दुकान लगाने के लिए स्थान उपलब्ध कराया जाएगा।

मेला मैदान और महादेवा मंदिर को जाने वाले प्रमुख मार्गों के किनारे राजस्व कर्मियों द्वारा दुकानों के लिए भूमि की माप कराई जा रही है। कई दुकानदारों ने सड़क किनारे अपनी दुकानों की सजावट का कार्य भी पूरा कर लिया है। इसके बावजूद वर्षों से एक ही स्थान पर दुकान लगाने वाले दुकानदारों को इस बार वहां दुकान लगाने से रोका जा रहा है।

रानी हवेली के पास दुकान लगाते आ रहे

गोबरहा निवासी मुन्ना ने बताया कि वह पिछले करीब 20 वर्षों से मुख्य मार्ग पर रानी हवेली के पास दुकान लगाते आ रहे हैं, लेकिन इस बार राजस्व कर्मियों ने उन्हें वहां दुकान लगाने से मना कर दिया। वहीं अयोध्या नगरी से आए श्यामजी जायसवाल ने बताया कि वह लगभग 40 वर्षों से लगातार फाल्गुनी मेले में दुकान लगाते चले आ रहे हैं, परंतु इस बार उन्हें उनके पूर्व निर्धारित स्थान पर दुकान लगाने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

एमआईईटी पब्लिक स्कूल में कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। एमआईईटी पब्लिक स्कूल, मवाना रोड में कक्षा 12 के छात्र-छात्राओं के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कक्षा 11 के विद्यार्थियों ने अपने वरिष्ठों को भावभीनी विदाई देते हुए स्नेह और सम्मान का भाव व्यक्त किया। समारोह के दौरान कक्षा 11 के विद्यार्थियों ने नृत्य, गायन एवं नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी सांस्कृतिक प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया, जिससे कार्यक्रम का वातावरण उल्लासपूर्ण और भावनात्मक बन गया। हेड बॉय एवं हेड गर्ल ने विद्यालय में बिताए अपने अनुभव साझा करते हुए शिक्षकों और सहपाठियों के प्रति आभार प्रकट किया। इस अवसर पर यशस्वी को मिस एमआईईटी तथा कुंज को मिस्टर एमआईईटी चुना गया। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों ने कक्षा 12 के विद्यार्थियों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं विद्यार्थियों ने भी विद्यालय के प्रति अपने भावुक अनुभव साझा कर कृतज्ञता व्यक्त की। विद्यालय के चेयरमैन विष्णु शरण ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल भविष्य की कामना की। प्रधानाचार्या रूपाली सहगल ने बोर्ड परीक्षा एवं जीवन के आगामी चरण के लिए विद्यार्थियों को प्रेरणादायक संदेश दिया।

पृष्ठ 01 का शेष...

चीनी टैंक लद्दाख ...

लोकसभा के नियम 349 (I) के तहत कोई भी सांसद सदन की चर्चा से जुड़ा न होने पर किसी किताब, अखबार या पत्र को कोट नहीं कर सकता। हालांकि संसद में कई मौकों पर नियमों का पालन करते हुए किताबों और समाचार पत्रों को कोट किया गया है। ऐसे मामलों में सांसद को पहले से नोटिस देकर स्पीकर से अनुमति लेनी होती है।

राहुल ने मीडिया से कहा, ॅमैं सुरक्षा के मुद्दे पर सदन में बोलना चाहता था। पूर्व आर्मी चीफ ने राजनाथ सिंह से क्या कहा था। पता नहीं सरकार क्यों डरी हुई है। मैं पूर्व आर्मी चीफ की बात बताना चाहता था। नरवणेजी ने पीएम के बारे में, राजनाथ के बारे में एक आर्टिकल में लिखा है। मैं वो बोल रहा हूं, लेकिन मुझे बोलने नहीं दिया जा रहा है। चाइना हमारे सामने आ रहा था। तब 56 इंच की छाती को क्या हुआ था।

पीठासीन जगदंबिका पाल ने कहा- 'नेता प्रतिपक्ष से आग्रह है कि और भी नेताओं को बोलना है। अब आप अपना भाषण राष्ट्रपति के अभिभाषण पर दें।

गौरव गोगोई को पाल ने नसीहत दी की बैठे-बैठे अपनी बातें नहीं कहें। आप सदन की कार्यवाही से वाकिफ हैं।

राहुल ने कहा, आपने मुझे बोलने की अनुमति। बहुत जरूरी मुद्दा है जो राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है। सर, मैं नहीं समझ पा रहा हू कि इस विषय पर ऐसा किया है कि पीएम और गृह मंत्री सदन छोड़कर जा चुके हैं।

पीठासीन- अगर आपको बोलना है तो राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलें, जो बुक पब्लिश नहीं है उस पर क्यों बोल रहे हैं। कोई तथ्य नहीं है। कोई साक्ष्य नहीं है।

रिजिजू- देखिए, अभी अभी राहुल गांधी ने बोला कि गृह मंत्री यहां से चले गए। कोई जेल से भागने वाला शब्द कैसे यूज कर सकते हैं। ये बहुत गलत है। हम आपको सुनने के लिए बैठे हैं।

जाति गणना केवल...

यह तय करना जनगणना अधिकारियों और विशेषज्ञों का काम है कि डेटा कैसे इकट्ठा किया जाए। हालांकि, याचिकाकर्ता की चिंताओं को प्रतिनिधित्व के रूप में सामने रखा जा सकता है।

आपने सराहनीय काम किया है। आपने अधिकारियों का ध्यान इस मुद्दे की ओर दिलाया है और उन्हें संवेदनशील भी किया है। अगर इसके बावजूद कोई गलती होती है, तो कानून अपना रास्ता खुद तय करेगा।

जनगणना अधिनियम, 1948 और 1990 में बने नियमों के तहत होती है। इन नियमों के अनुसार जनगणना के विवरण और प्रक्रिया तय करने का अधिकार संबंधित अधिकारियों को है। कोर्ट को भरोसा है कि विशेषज्ञों की मदद से एक मजबूत व्यवस्था बनाई गई होगी, जिससे गलतियों की आशंका न रहे।

पुलिस ने किया सपा ...

स्थानीय सपा पार्षद सुरेंद्र वाल्मीकि भी सोमवार को धरने में शामिल हुए। आरोप है कि उन्होंने मकान में कोर्ट के आदेश पर लगाए गए ताले को जबरन तोड़वा दिया। इससे पुलिस से उनकी तीखी नोकझोंक हो गई।

धरने में शामिल लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। पुलिसकर्मियों को चोट आई और उनकी वर्दी फट गई। इसके बाद पुलिस ने पार्षद समेत 6 लोगों को गिरफ्तार किया।

रामचंद्र का दावा है कि वह अपने परिवार के साथ 25 साल से मकान में रह रहे थे। कोर्ट का आदेश बताकर उसे जबरन खाली करा लिया गया। उनका सामान सड़क पर फेंक दिया गया। रामचंद्र के साथ वाल्मीकि समाज के सैकड़ों लोग धरने पर बैठे थे। पार्षद सुरेंद्र वाल्मीकि भी धरने में अपने समर्थकों के साथ हिस्सा ले रहे थे। तीन दिन धरने के बाद लोग सोमवार को डीएम से मिले। हालांकि कोर्ट का आदेश होने की वजह उनको कोई राहत नहीं मिली। आरोप है कि वापस गांव लौटे पार्षद, उनके समर्थकों और परिवार के लोगों ने जबरन मकान का ताला तोड़ दिया।

मकान के मालिकाना ...

इस पर जितेंद्र मोहन ने वकील के माध्यम से सीपी, एसीपी और थाना प्रभारी को शिकायत भेजी। पुलिस ने 31 जनवरी 2025 को मकान खाली करवा दिया। मकान में ताला लगाकर चाबी जितेंद्र मोहन को सौंप दी। इसके बाद परिवार मकान के बाहर धरने पर बैठ गया।

'वांगचुक लद्दाख ...

यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए पर्याप्त आधार है। मामले की सुनवाई अब मंगलवार को दोपहर 2 बजे फिर होगी।

दरअसल, 24 सितंबर 2025 को लेह में हुई हिंसा भड़काने के आरोप में 26 सितंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) के तहत 26 वांगचुक को पुलिस ने हिरासत में लिया गया था। तब से वे जोधपुर जेल में हैं।

इससे पहले वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंग्मो ने 12 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि उनके पति को हिरासत में लेने के फैसले में अधिकारियों ने ठीक से सोच-विचार नहीं किया। उन्हें बेकार व गैर-जरूरी बातों के आधार पर नजरबंद किया गया।

'विकसित भारत के ...

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देश का नागरिक गरीबी रेखा से ऊपर उठकर आत्मगौरव के साथ भारत की प्रगति में योगदान दे रहा है। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ता भारत हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने इसे स्पष्ट नीति, साफ नीयत और मजबूत नेतृत्व का परिणाम बताया। राजधानी लखनऊ में सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय बजट पर आयोजित प्रेस वार्ता में यह बातें कहीं।

मुख्यमंत्री ने बजट को युवा-शक्ति संचालित, वंचित-केंद्रित और समावेशी विकास का आधार बताया। उन्होंने कहा कि किसान, युवा, महिला और गरीब—ये चारों वर्ग इस बजट के केंद्र में हैं। वित्तीय अनुशासन, विकास और विश्वास को एक सूत्र में पिरोते हुए यह बजट आने वाली पीढ़ियों के लिए सुदृढ़ भारत की नींव रखता है।

एअर इंडिया ...

फ्यूल कंट्रोल स्विच विमान के कॉकपिट में थ्रस्ट लीवर के पास होते हैं। ये इंजन में फ्यूल की सप्लाई को कंट्रोल करते हैं। इसका मुख्य काम इंजन में फ्यूल की सप्लाई को शुरू करना (रन पोजिशन) या बंद करना (कटऑफ पोजिशन) है।

हर इंजन के लिए अलग-अलग फ्यूल कंट्रोल स्विच होता है। उदाहरण के लिए, बोइंग 787 में दो इंजन हैं, तो दो स्विच होंगे- एक बाएं इंजन के लिए, एक दाएं के लिए। रन पोजिशनः जब स्विच 'रन' पर होता है, तो फ्यूल वाल्व खुलता है और इंजन में फ्यूल की सप्लाई शुरू हो जाती है। इससे इंजन चालू रहता है और विमान को थ्रस्ट मिलता है।

कटऑफ पोजिशनः जब स्विच को 'कटऑफ' पर किया जाता है तो फ्यूल वाल्व बंद हो जाता है और इंजन में फ्यूल की सप्लाई रुक जाती है। इससे इंजन तुरंत बंद हो जाता है। फ्यूल कंट्रोल स्विच स्प्रिंग-लोडेड होते हैं और इनमें डिटेंट (एक तरह का लॉक) होता है, जो इन्हें अपनी पोजिशन में स्थिर रखता है।

एफआईपी ने कहा...

हमने DGCA और नागरिक उड्डयन मंत्रालय (MOCA) को ई-मेल और लेटर लिखे।

मुख्य चुनाव आयुक्त...

हमने कहा आपके पास भाजपा की ताकत है, हमारे पास जनता की ताकत है। हमने बैठक का बॉयकाट कर दिया।

बाद में ममता ने पार्टी मुख्यालय में कहा कि चुनाव आयोग भाजपा के दलाल की तरह काम कर रहा है।

इसके पहले सुबह ममता ने दिल्ली पहुंचते ही कहा कि वे SIR के मुद्दे पर लड़ाई जारी रखेंगी। अगर इस देश में कोई नहीं लड़ेगा, तो मैं लड़ूंगी, हमारी पार्टी लड़ेगी। इस बीच, हेली रोड और चाणक्यपुरी स्थित दोनों बंग भवनों के बाहर दिल्ली पुलिस की भारी तैनाती की गई है।

पाकिस्तान सरकार का ऐलान, आईसीसी ने कहा- पीसीबी अपने फैसले पर फिर विचार करे

टी-20 वर्ल्ड कप में भारत पाकिस्तान मैच नहीं होगा

विचार

नई दिल्ली, एजेंसी

टी-20 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान के बीच 15 फरवरी को मैच नहीं होगा। पाकिस्तान सरकार ने रविवार शाम को इस मैच के बॉयकॉट का ऐलान किया। दोनों टीमें ग्रुप स्टेज में कोलंबो में एक-दूसरे से भिड़ने वाली थीं। हालांकि, अब तक यह तय नहीं है अगर नॉकआउट में भारत सामने आया तो पाकिस्तान मैच खेलेगा या नहीं?

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने 24 जनवरी को बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में एंट्री दी थी। ICC के इस

मोहसिन नकवी ने 26 जनवरी को पीएम शाहबाज शरीफ से मुलाकात की थी।

फैसले के विरोध में पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मैच का बॉयकॉट कर दिया। जिसके बाद ICC ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) को अपने फैसले पर फिर से विचार करने के लिए कहा है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के चीफ मोहसिन नकवी ने सोमवार, 26 जनवरी को प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ से मुलाकात की थी। इस मीटिंग में पाकिस्तान के वर्ल्ड कप पार्टिसिपेशन और भारत के खिलाफ मुकाबले को लेकर बातें हुईं। नकवी ने कहा था कि शुक्रवार या सोमवार तक आखिरी फैसला लिया जाएगा। अब रविवार को सरकार ने इस पर फैसला ले लिया। टी-20 वर्ल्ड कप को लेकर BCCI सूत्रों ने साफ किया है कि भारतीय टीम तय कार्यक्रम के अनुसार ही श्रीलंका दौरे पर जाएगी।

बॉयकॉट के बाद पाकिस्तान और भारत की टीमें ग्रुप स्टेज में 3-3 मैच ही खेलेगी। पाकिस्तान 7 फरवरी को नीदरलैंड, 10 फरवरी को अमेरिका और 18 फरवरी को नामीबिया से भिड़ेगी। वहीं टीम इंडिया 7 फरवरी को अमेरिका, 12 फरवरी को नामीबिया और 18 फरवरी को नीदरलैंड से भिड़ने वाली है।

टूर्नामेंट खेलेंगे, लेकिन भारत से मैच नहीं- पाकिस्तान सरकार

पाकिस्तान ने रविवार को घोषणा की कि वह टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेगा, लेकिन भारत के खिलाफ मैच का बॉयकॉट करेगा। पाकिस्तान सरकार ने यह फैसला इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) के बांग्लादेश को टूर्नामेंट से हटाने के बाद लिया। बांग्लादेश सरकार ने भारत में खेलने को लेकर सुरक्षा चिंता जताई थी।

सरकार ने X पर एक पोस्ट में कहा, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ पाकिस्तान की सरकार, पाकिस्तान क्रिकेट टीम को ICC वर्ल्ड T20 2026 में हिस्सा लेने की मंजूरी देती है। हालांकि, पाकिस्तान क्रिकेट टीम 15 फरवरी 2026 को भारत के खिलाफ होने वाले मैच में मैदान पर नहीं उतरेगी।

भारत और पाकिस्तान के बीच टी-20 वर्ल्ड कप में आखिरी मुकाबला 2024 में हुआ था। तब टीम इंडिया ने 5 रन से करीबी मैच जीता था।

आईसीसी बोला- पाकिस्तान अपने फैसले पर विचार करे

ICC ने देर रात 11 बजे मीडिया रिलीज में कहा, हम पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के ऑफिशियल कन्फर्मेशन का इंतजार कर रहे हैं। ICC सरकार के फैसलों का समर्थन करता है, लेकिन पाकिस्तान का फैसला दुनियाभर में क्रिकेट के इकोसिस्टम को प्रभावित करने वाला है। ICC उम्मीद कर रहा है कि PCB अपने फैसले पर फिर से विचार करेगा ताकि दुनियाभर में क्रिकेट का सिस्टम प्रभावित न हो। पाकिस्तान खुद ICC का सदस्य है। हम चाह रहे हैं कि पाकिस्तान किसी तरह सभी स्टेकहोल्डर्स को ध्यान में रखते हुए आखिरी फैसला ले।

बरेली कॉलेज में स्वयं पोर्टल को लेकर समन्वय बैठक आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली। बरेली कॉलेज, बरेली में आज स्वयं (SWAYAM) पोर्टल पर विद्यार्थियों के कोर्स रजिस्ट्रेशन एवं क्रेडिट ट्रांसफर प्रक्रिया को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक आज दोपहर 12:00 बजे कॉलेज के सेमिनार कक्ष में सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

बैठक में गणित विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. हनुमान को स्वयं पोर्टल के अंतर्गत विद्यार्थियों के कोर्स रजिस्ट्रेशन हेतु कॉलेज समन्वयक (Coordinator) नामित किए जाने की जानकारी दी गई। डॉ. हनुमान ने बैठक के दौरान विस्तार से बताया कि किस प्रकार प्रत्येक विभाग अपने-अपने छात्रों का स्वयं पोर्टल पर पंजीकरण कराएगा तथा किस प्रक्रिया के अंतर्गत कोर्स का क्रेडिट ट्रांसफर किया जाएगा।

इस अवसर पर बरेली कॉलेज

के प्राचार्य, प्रोफेसर ओमप्रकाश राय प्रोफेसर एके सिंह भौतिक विभाग कॉमर्स विभाग से प्रोफेसर. दयाराम, पर्यावरण विज्ञान विभाग से डॉ. जसपाल सिंह, बीबीए विभाग से डॉ. अभिषेक, लाइब्रेरी साइंस विभाग से डॉ. योगेश सहित कॉलेज के समस्त विभागों के नामित सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में स्वयं पोर्टल के माध्यम से उच्च शिक्षा की गुणवत्ता, डिजिटल लर्निंग को बढ़ावा देने तथा विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर के ऑनलाइन पाठ्यक्रमों से जोड़ने पर जोर दिया गया। अंत में बैठक को सफलतापूर्वक संपन्न घोषित किया गया।

रोइंग चैंपियनशिप में करनाल के नायब सूबेदार ने जीता गोल्ड

7 मिनट 12 सेकेंड में क्लियर की रोइंग रेस, 18 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया

करनाल, एजेंसी

इंडियन आर्मी में नायब सूबेदार और पेरिस ओलिंपिक में डेब्यू करने वाले कैमला गांव के बलराज पंवार ने एक बार फिर प्रदेश का नाम नेशनल लेवल पर रोशन किया है। बलराज ने सीनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता। इस चैंपियनशिप में बलराज ने 7 मिनट 12 सेकेंड में 2000 मीटर की रेस क्लियर की। बलराज ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी इस उपलब्धि की जानकारी सांझा की।

बीती 27 जनवरी से 1 फरवरी तक पुणे में सीनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप हुई। इस चैंपियनशिप में बलराज ने भी अपना दमखम दिखाया और गोल्ड मेडल पर कब्जा किया। गोल्ड मेडलिस्ट बलराज पंवार ने बातचीत में बताया

कि पुणे में आयोजित रोइंग चैंपियनशिप में 18 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। जिसमें मेरी टाइमिंग 7 मिनट 12 सेकेंड की रही है।

उसने आर्मी सर्विसेज की तरफ से हिस्सा लिया था। दूसरे स्थान पर इंडियन आर्मी ही रही और तीसरे स्थान पर हरियाणा रहा और चौथे पर झारखंड रहा था। बलराज ने बताया कि रोइंग में हवा और पानी की धार भी जीत और हार को प्रभावित करती है। जिसके कारण समय ज्यादा लग जाता है। बलराज का कहना है कि उसने पेरिस ओलिंपिक में डेब्यू किया था, लेकिन वह मेडल नहीं जीत पाया, लेकिन अब उसका पूरा फोकस एशियन गेम्स और ओलिंपिक पर है।

बलराज पंवार करनाल जिला के गांव कैमला के रहने वाले हैं। 10 साल की उम्र में पिता रणधीर पंवार का निधन हो गया। मां कमला पंवार ने सब्जी और दूध बेचकर, निर्माण कार्य और कपड़े फैक्ट्री में काम करके बलराज और उनके चार भाई-बहनों का पालन-पोषण किया।बलराज शादीशुदा हैं और उनका एक बच्चा है। 2018 में भारतीय सेना में सिपाही के रूप में भर्ती हुए। वर्तमान में नायब सूबेदार हैं। अक्टूबर 2021 से पुणे के आर्मी रोइंग नोड में है और ट्रेनिंग ले रहे है।

झज्जर में आज लग्न टीका कार्यक्रम, कल पिता के दोस्त की बेटी संग शादी करेंगे

ओलिंपियन पहलवान 500 किलो देसी घी से बने पकवान खिलाएंगे

झज्जर, एजेंसी

झज्जर के रहने वाले ओलिंपियन पहलवान दीपक पूनिया कल, 3 फरवरी को विवाह के बंधन में बंधने जा रहे हैं। आज झज्जर शहर के धनखड़ फार्म हाउस में लग्न टीके (तिलक) का कार्यक्रम रखा गया है। दीपक के पिता सुभाषा पूनिया ने बताया कि आज लंच का प्रोग्राम है, जिसमें 500 लीटर देसी घी से खाना तैयार किया जा रहा है। प्रोग्राम में नेताओं के अलावा पहलवान भी पहुंचेंगे। दीपक पूनिया सेना में सूबेदार हैं। वह अपने पिता के दोस्त की बेटी शिवानी के साथ सात फेरे लेंगे। दीपक और शिवानी की 28 सितंबर 2025 को सगाई हुई थी। इसमें सिर्फ परिवार और करीबी लोग ही शामिल हुए। शिवानी संघ लोक

सेवा आयोग (UPSC) की तैयारी कर रही हैं, उनका IAS अफसर बनने का सपना है। शिवानी ने रोहतक के जाट कॉलेज से इंग्लिश ऑनर्स से MA किया है। इसके अलावा उन्होंने बीएड की। अब एमएड की तैयारी है। साथ ही UPSC की भी तैयारी कर रही हैं। सुभाष का कहना है कि शिवानी हमारी बहू ही नहीं बेटी जैसी है, वो जितना चाहे पढ़े। दीपक पूनिया का जन्म 19 मई, 1999 को झज्जर जिले के छारा गांव में हुआ। बचपन से ही कुश्ती उनके खून में रही, क्योंकि उनके पिता सुभाष भी स्थानीय स्तर पर पहलवान रहे। दीपक को महज 5 साल की उम्र में अखाड़े में दाखिल कराया।

शिवानी बोलीं- दोनों परिवारों की रजामंदी से हुआ रिश्ता

रिंग सेरेमनी के बाद एक इंटरव्यू में शिवानी ने बताया था कि मेरा खेलों से कोई नाता नहीं रहा है। मैं शुरू से ही पढ़ाई में ध्यान रखती आई हूं। अब मेरा लक्ष्य IAS अफसर बनने का है। इसके लिए सेल्फ स्टडी कर रही हूं। मेरे पापा दीपक के पिता के साथ 5-6 साल से साथ में काम कर रहे हैं। दोनों परिवारों की रजामंदी से यह रिश्ता हुआ।

शिवानी के पिता प्रॉपर्टी डीलर, अखाड़े में हुई जान-पहचान

दीपक के पिता सुभाष पूनिया ने बताया कि शिवानी के पिता अनूप सिंह प्रॉपर्टी का काम करते हैं। जब दीपक अखाड़े में प्रैक्टिस करने जाता था, वहीं अनूप सिंह से मुलाकात हुई। कई बार मुलाकातें हई और 2020 में दोस्ती हो गई। जब बेटे के लिए रिश्ते आने लगे तो मैंने अनूप से कहा कि अपना बेटा है, आपकी बेटी है, क्यों न दोस्ती को रिश्तेदारी में बदल लें। अनूप ने तुरंत हां कर दी।

मनोरंजन

ग्रैमी 2026 में हॉलीवुड सिंगर की न्यूड एंट्री ने मचाई सनसनी

जस्टिन बीबर की शर्टलेस परफॉर्मेंस ने बटोरी चर्चा

नई दिल्ली। पॉप स्टार जस्टिन बीबर और उनकी पत्नी मैचिंग ब्लैक कपड़ों में रेड कार्पेट पर चले। हालांकि फोटोग्राफर उन्हें अक्सर देखते रहते हैं, लेकिन 2022 के बाद यह ग्रैमी में उनका एक साथ पहला ऑफिशियल रेड कार्पेट अपीयरेंस था। ग्रैमी अवॉर्ड्स 2026 में पॉप सिंगर जस्टिन बीबर ने शर्टलेस परफॉर्मेंस देकर दर्शकों का दिल जीत लिया। सोशल मीडिया पर उनका ये स्वैगी वीडियो धूम मचा रहा है। हाथ में गिटार और बॉडी पर टैटू फ्लॉन्ट करते हुए जस्टिन ने स्टेज पर आग लगा दी। बीबर को इस साल चार ग्रैमी नॉमिनेशन मिले हैं। उन्हें 2021

में Justice के बाद अपने पहले स्टूडियो एल्बम Swag के लिए एल्बम ऑफ द ईयर के लिए नॉमिनेट किया गया है। द हॉलीवुड रिपोर्टर के अनुसार, वह बेस्ट पॉप वोकल परफॉर्मेंस, बेस्ट पॉप वोकल एल्बम और बेस्ट R&B परफॉर्मेंस की रेस में भी हैं। 2026 ग्रैमी अवाड्र्स, जिसे नोआ अपने एंकर के तौर पर आखिरी साल में होस्ट करेंगे, रविवार, 1 फरवरी को लॉस एंजिल्स के Crypto.com एरिना से लाइव ब्रॉडकास्ट किया गया। 16 बार ग्रैमी अवार्ड जीत चुके ब्रूनो मार्स 2026 ग्रैमी अवाड्र्स में परफॉर्म करने वालों में से एक थे। इस शो में रोज, लेडी गागा और सबरीना कारपेंटर जैसे दूसरे बड़े नामों की परफॉर्मेंस भी हुई साथ ही ओजी ऑस्बॉर्न और रॉबर्टा फ्लैक जैसे प्रभ ाव श ाल ी म्यूजिशियन को 'इन मेमोरियम' श्रद्धांजलि भी दी गई।

फायरिंग केस पर कमाल आर खान ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली। एक्टर-प्रोड्यूसर कमाल आर खान उर्फ KRK ने मुंबई के ओशिवारा इलाके में हुई फायरिंग की घटना के मामले में रविवार को पहली बार प्रतिक्रिया दी। मामले में जमानत पर बाहर आने के बाद KRK ने ANI से बात करते हुए कहा कि उनके पास सालों से लाइसेंसी हथियार है और उन्होंने आज तक कभी कानून नहीं तोड़ा। KRK ने कहा, "पुलिस को जरूर कोई शक रहा होगा, इसलिए ऐसा हुआ, लेकिन कौन सही है और कौन गलत, यह मैं नहीं कह सकता। इसका फैसला अदालत करेगी।" उन्होंने आगे कहा, "मेरे पास 22 सालों से गन का लाइसेंस है और 22 सालों में मैंने आज तक कोई कानून नहीं तोड़ा है।" बता दें कि पिछले हफ्ते मुंबई पुलिस ने ओशिवारा इलाके में हुई फायरिंग के मामले की जांच के दौरान पूछताछ के बाद KRK को गिरफ्तार किया था।

'बॉर्डर 2' का दुनियाभर में बजा डंका

दूसरे वीकेंड बॉक्स ऑफिस पर की बंपर कमाई

"घरेलू कलेक्शन में तो बॉर्डर 2 शानदार प्रदर्शन कर ही रही है साथ ही इसने वर्ल्डवाइड भी कमाई की तगड़ी रफ्तार बनाए रखी है। 10वें दिन यानि दूसरे वीकेंड पर फिल्म ने 374 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है।

नई दिल्ली। सनी देओल की बॉर्डर 2 रिपब्लिक डे से पहले 23 जनवरी को थिएटर्स में रिलीज हुई। पहले चार दिनों तक फिल्म ने बंपर कमाई की लेकिन इसके बाद फिल्म की कमाई में बड़ी गिरावट देखने को मिली। लेकिन पहले वीकेंड के बाद फिर से बॉर्डर 2 की कमाई का ग्राफ बढ़ गया और अब दूसरे वीकेंड पर इसने दुनियाभर में छप्पड़फाड़ कमाई की है। बॉर्डर 2 में सनी देओल, दिलजीत

दोसांझ, वरुण धवन और अहान शेट्टी ने अहम रोल निभाए हैं। फिल्म को अनुराग सिंह ने डायरेक्ट किया है, 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध पर आधारित एक वॉर ड्रामा है। यह लोंगेवाला की लड़ाई के बजाय ऑपरेशन चंगेज खान और उत्तर-पश्चिमी सेक्टर की दूसरी लड़ाइयों पर फोकस करती है। सनी देओल लेफ्टिनेंट कर्नल फतेह सिंह कलेर के रूप में वापस आए हैं, जो वरुण धवन (मेजर होशियार सिंह दहिया) और दिलजीत दोसांझ सहित एक टीम का नेतृत्व करते हैं।

'बॉर्डर 2' बॉक्स ऑफिस कलेक्शन डे 10

बॉर्डर 2 सनी देओल स्टारर1997 की बॉर्डर का स्पिरिचुअल सीक्वल है, जो सुपरहिट रही थी। वहीं बॉर्डर ने भी पहले दिन 30 करोड़ की जबरदस्त ओपनिंग की। दूसरे दिन फिल्म ने 36.5 करोड़, तीसरे दिन 54.5 करोड़, और चौथे दिन 59 करोड़ का कलेक्शन किया। हालांकि इसके बाद इसका कलेक्शन गिर गया और इसने पहले मंगलवार को 20 करोड़ का कलेक्शन किया। इसके बाद वॉर ड्रामा का पहले हफ्ते का कलेक्शन 224.25 करोड़ हुआ। वहीं अब दूसरे रविवार तक फिल्म ने 275.25 करोड़ रुपये का घरेलू कलेक्शन कर लिया है।

इमरान ने लीड स्टार्स को दी ये सलाह

इमरान खान का कहना है कि ज्यादा फीस लेने वाले स्टार्स को वास्तव में फिल्म पर भरोसा ही नहीं, इसीलिए वह पहले ही फीस ले लेते हैं। उन्होंने कहा, ₹मेरा मानना है कि जो भी लीड रोल में हैं, जिनके दम पर फिल्म को फंड और फाइनेंस किया जा रहा है। अगर वे फिल्म की सफलता और क्वालिटी पर दांव लगाने के लिए आर्थिक रूप से इतने सुरक्षित नहीं हैं, तो और कौन दांव ल ग ा सकता है?

इमरान खान ने सुनाई खरी-खोटी, मामा आमिर को लेकर कह दिया ऐसा

'मोटी फीस लेकर सिनेमा को बर्बाद कर रहे सितारे'

नई दिल्ली। एक दौर था, जब स्टार्स को बजट के आधार पर कास्ट किया जाता था। जितना मोटा बजट, उतना बड़ा स्टार। मगर आज के समय में फिल्म का बजट कम और एक्टर्स की फीस ज्यादा हो गई है। हाल ही में इमरान खान ने बॉलीवुड के इस सिस्टम पर अपनी नाराजगी जाहिर की है।

इमरान खान ने कहा कि आज लोग उन सितारों पर ज्यादा पैसा खर्च कर रहे हैं जो फायदा पहुंचा सकते हैं और इसमें कोई बुराई नहीं है। एक्टर का कहना है कि सितारे सिस्टम का फायदा उठा रहे हैं। उन्होंने अपने मामा आमिर खान (Aamir Khan) की तारीफ की जो सितारे खुद फिल्मों में इन्वेस्ट करते थे और इसका मतलब खुद के पैसे

लगाना नहीं, बल्कि फिल्म का ऑनरशिप लेना था। इमरान खान ने आगे कहा, ₹अब प्रॉफिट कमाने का हमारा रास्ता क्या है? और क्या मुझे इसकी परवाह है? मुझे इसकी परवाह करनी चाहिए। यह मेरी फिल्म है। मुझे लगता है कि इस फिल्म में एक अच्छी फिल्म बनने की क्षमता है, इसलिए शुरू में कम पैसे लो। किस्मत आजमाओ। जुआ खेलो और शर्त लगाओ कि फिल्म अच्छा करेगी। अगर कोई ऐसा कर सकता है, तो वह स्टार है। इमरान खान ने कहा कि उनके मामा आमिर खान का भी यही तरीका रहा है। उन्होंने बताया कि आमिर ने कभी भी अपनी फीस एडवांस में नहीं ली। वह कभी भी 60 करोड़ या 75 करोड़ रुपये फीस नहीं लेते थे। उन्होंने कहा, ₹यह बेवकूफी है। आप अपनी ही फिल्म को नुकसान पहुंचा रहे हैं। आप अपनी फिल्म का फायदा उठा रहे हैं और फिल्म की कीमत पर खुद को अमीर बना रहे हैं। यह वही है। असल में इसका मतलब यह है कि आपको फिल्म पर भरोसा या विश्वास नहीं है।

"इमरान खान ने दिए इंटरव्यू में इमरान खान ने बॉलीवुड पर निशाना साधते हुए कहा, "अगर मुझे लगता है कि मेरी फिल्म बनाने में 30 करोड़ रुपये लगेंगे, तो वह आपकी प्रोडक्शन कॉस्ट है और मैं कहूं कि मैं 40 करोड़ रुपये चार्ज करूंगा। तो अब आपकी फिल्म की लागत 70 करोड़ रुपये हो गई जिसमें से 30 करोड़ रुपये फिल्म की असली लागत है और 40 करोड़ रुपये मेरी पर्सनल सैलरी है।"

रोहित शेट्टी फायरिंग केस, 4 गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हुई

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई । फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के घर के बाहर शनिवार देर रात चार राउंड फायरिंग हुई। पुलिस ने रविवार को इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनकी पहचान हो चुकी है।

गिरफ्तार आरोपी पुणे के रहने वाले हैं। इनके नाम आदित्य ज्ञानेश्वर गायकवाड़ (19 साल), सिद्धार्थ दीपक येनपुरे (20 साल), समर्थ शिवशरण पोमाजी (18 साल) और स्वप्निल बंडू सकट (23 साल) हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ धारा 109 और 61(2) के साथ शस्त्र अधिनियम की धारा 3 और 25 और भारतीय न्याय संहिता की धारा 37(1), 37(2) और 135 के तहत मामला दर्ज कर उन्हें 5 फरवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपियों की भूमिका घटना के लिए वाहन उपलब्ध कराने और साजिश रचने से जुड़ी हुई है। वहीं,

लॉरेंस गैंग के शुभम लोंकर के साथ मिलकर रची साजिश, 5 फरवरी तक पुलिस हिरासत में

पांचवें आरोपी शुभम लोंकर को वांटेड घोषित किया गया है, जिसकी तलाश जारी है।

पुलिस जांच के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों ने शुभम लोनकर के संपर्क में रहकर रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग करने वाले मुख्य आरोपी को हर तरह की मदद उपलब्ध कराई।

बताया जा रहा है कि शिवशरण पोमाजी ने शुभम लोंकर के साथ मिलकर पूरी साजिश को अंजाम देने की योजना बनाई।

बेटी ने पिता से रिश्ता तोड़ा, सर्वाइवर बोली- शाही महल में यौन संबंध के लिए मजबूर किया गया

ब्रिटिश प्रिंस ने एपस्टीन को अपनी बेटियों की तस्वीरें भेजी

खुलासा

लंदन, एजेंसी

ब्रिटिश प्रिंस एंड्रयू ने 2008 में यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन को अपनी बेटियों की तस्वीरें भेजीं थी। यह खुलासा 2010 और 2011 के ईमेल्स से हुआ है, जिसे जस्टिस डिपार्टमेंट ने 30 जनवरी को जारी किया था। प्रिंस एंड्रयू की तरफ से एपस्टीन को 20 दिसंबर 2012 को एक कार्ड भेजा गया। इसमें कुल 4 तस्वीरें थीं। दो तस्वीरों में प्रिंसेस बीट्रिस को फरवरी 2012 में मोंट ब्लांक पर चढ़ाई करते हुए दिखाया गया है, जबकि प्रिंसेस यूजिनी की साइकिल चलाते तस्वीर भेजी गई थी। इस महीने की शुरुआत में प्रिंसेस यूजिनी ने अपने पिता एंड्रयू से सभी संपर्क तोड़ने का ऐलान किया था।

ब्रिटिश प्रिंस एंड्रयू अपनी बेटियों प्रिंसेस बीट्रिस और प्रिंसेस यूजिनी के साथ।

ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर ने प्रिंस एंड्रयू से अमेरिकी संसद की कमिटी के सामने गवाही देने को कहा है। दरअसल, पिछले हफ्ते अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट ने कई तस्वीरें जारी कीं जिसमें एंड्रयू को आपत्तिजनक हालत में देखा गया था।

यह पहली बार है जब किसी एपस्टीन सर्वाइवर ने किसी शाही निवास में यौन संबंध होने का आरोप लगाया है।

कुछ तस्वीरों में एंड्रयू एक महिला के ऊपर घुटनों के बल झुके हुए दिख रहे हैं, जो जमीन पर लेटी हुई है। वे महिला के पेट और कमर को छूते नजर आ रहे हैं। महिला की पहचान नहीं बताई गई है और वह पूरी तरह कपड़े पहने हुए है। एपस्टीन के दस्तावेज से यह भी पता चला है कि प्रिंस एंड्रयू की पत्नी सारा फर्ग्यूसन और एपस्टीन की दोस्ती काफी गहरी थी। सारा फर्ग्यूसन ने एपस्टीन को कई ईमेल लिखे थे। एक ईमेल में उन्होंने कहा था, आप उस भाई की तरह हैं जो मैं हमेशा से चाहती थी।

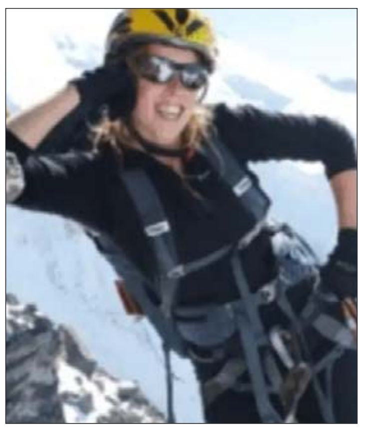

ब्रिटिश प्रिंस एंड्रयू अपनी बेटियों प्रिंसेस बीट्रिस और प्रिंसेस यूजिनी के साथ।

एंड्रयू ने क्रिसमस कार्ड में भेजी थीं राजकुमारियों की तस्वीरें

तस्वीरें उस समय भेजी गईं, जब एंड्रयू दावा कर चुके थे कि उन्होंने एपस्टीन से सभी संबंध खत्म कर दिए हैं। ब्रिटिश अखबार 'द सन' के मुताबिक उस समय यूजिनी 21 साल की और बीट्रिस 23 साल की थीं।

दावा- एपस्टीन ने यौन संबंध बनाने के लिए शाही महल भेजा

एपस्टीन से जुड़े एक और मामले में गंभीर आरोप सामने आए हैं। एक महिला के वकील ने BBC न्यूज को बताया कि एपस्टीन ने उसे प्रिंस एंड्रयू के साथ यौन संबंध बनाने के लिए ब्रिटेन भेजा था।

वकील के मुताबिक, यह कथित घटना साल 2010 की है। महिला और एंड्रयू की मुलाकात उनके निजी निवास रॉयल लॉज में हुई थी। महिला ब्रिटिश नागरिक नहीं थी और उस समय उसकी उम्र करीब 20 साल बताई जा रही है।

अमेरिका की कानूनी फर्म एडवर्ड हेंडरसन से जुड़े वकील ब्रैड एडवर्ड ने कहा कि एंड्रयू के साथ रात बिताने के बाद महिला को शाही पैलेस घुमाया गया और वहां चाय भी पिलाई गई।

BBC ने इस मामले पर एंड्रयू से प्रतिक्रिया मांगी है। आमतौर पर बकिंघम पैलेस आने वाले मेहमानों का रिकॉर्ड रखा जाता है, लेकिन महिला की पहचान सार्वजनिक न होने की वजह से BBC उसके दौरे की पुष्टि नहीं कर सका।

एआई से बनाया जा रहा न्यूड फोटो

नई दिल्ली, एजेंसी

यूनाइटेड स्टेट्स के राज्य केंटकी के रहने वाले 16 साल के बच्चे ने आत्महत्या कर ली है। इस बच्चे की आत्महत्या के पीछे का कारण AI है। नाबालिग के माता-पिता को पता चला कि उसे धमकी भरे टेक्स्ट मैसेज मिल रहे थे, जिसमें उसकी AI-जेनरेटेड न्यूड इमेज को छिपाने के लिए 3,000 डॉलर की मांग की गई थी। न्यूडिफाई एप्स में AI टूल का इस्तेमाल किया जा रहा है। इन एप्स का तेजी से बढ़ रहा है। ये एप डिजिटल रूप से लोगों के कपड़े हटाते हैं या सेक्शुअल इमेज बनाते हैं। केंटकी में 16 साल के एलिजा हीकॉक हजारों अमेरिकी नाबालिगों में से एक था, जिसे डिजिटल ब्लैकमेलिंग का शिकार बना गया। इस नाबालिग की आत्महत्या ने टेक प्लेटफॉर्म के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग को बढ़ावा दिया है। एलिजा हीकॉक के माता-पिता ने उनके बच्चे की मौत के बाद जब उसका फोन चेक किया, तब वे आत्महत्या की वजह जानकर हैरान रह गए। अमेरिकी मीडिया से बात करते हुए एलिजा हीकॉक के माता-पिता ने बताया कि टेक्स्ट मैसेज में हीकॉक को पैसे देने के लिए कहा गया था, नहीं तो एक AI-जेनरेटेड न्यूड फोटो उसके परिवार और दोस्तों को भेज दी जाएगी।

डिजिटल ब्लैकमेलिंग का शिकार हुए नाबालिग ने की खुदकुशी

फास्ट न्यूज़

ऑपरेशन सिंदूर के बाद रक्षा बजट 15% बढ़ा

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को बजट पेश कर दिया। वे संसद में 85 मिनट बोलीं, लेकिन आम आदमी के लिए कोई बड़ा ऐलान नहीं किया। हालांकि टैक्स फाइल करने में सहूलियत, रेलवे प्रोजेक्ट और 3 नए आयुर्वेदिक AIIMS जैसी नई बातें कही हैं। बजट भाषण में कोई सीधा चुनावी ऐलान भी नहीं हुआ।

पुराने सिम कार्ड से बनाया 26 लाख का सोना

नई दिल्ली। आमतौर पर सिम कार्ड पुराना या खराब होने पर लोग उसे फेंक कर नया सिम ले लेते हैं। मगर, चीन के एक व्यक्ति ने अजीबोगरीब कारनामा करके सभी को हैरान कर दिया है। उसने पुराने सिम काड्र्स से सोना बनाया है।

पुराने सिम कार्ड से सोना बनाने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पुराने सिम काड्र्स खरीदने के लिए ऑनलाइन होड़ मच गई है। हालांकि, चीनी व्यक्ति ने इसे लेकर लोगों को सावधान किया है कि आम लोगों के लिए ये प्रक्रिया हानिकारक साबित हो सकती है।

'अगर डील नहीं हुई तो', ट्रंप ने ईरान को फिर दी धमकी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने रविवार को ईरान को फिर से धमकी दी है। तेहरान की बयानबाजी के बीच अमेरिका ने ईरान के आसपास सेना तैनात कर दी है। फ्लोरिडा में मीडिया से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने बेशक ईरान के पास सेना तैनात की है, लेकिन हम अभी भी कूटनीति के रास्ते हल तलाशने की कोशिश कर रहे हैं।

चांदी तीन दिन में 1.60 लाख गिरी, 2.41 लाख/किलो हुई

सोना भी गिरकर 1.40 लाख पर आया

नई दिल्ली, एजेंसी

बजट पेश होने के एक दिन बाद यानी आज, 2 फरवरी को गोल्ड और सिल्वर मार्केट में लगातार तीसरे दिन गिरावट है। आज यानी 2 फरवरी को वायदा बाजार में चांदी करीब 23 हजार रुपए (9%) गिर गई। 1 किलो चांदी का भाव 2.41 लाख रुपए पर आ गया। सोने में भी करीब 7 हजार रुपए (6%) की गिरावट है। 10 ग्राम सोना 1.40 लाख रुपए पर आ गया है।

सर्राफा बाजार में भी आज चांदी 29,255 रुपए और सोना 6,427 रुपए सस्ता हुआ है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, एक किलो चांदी 2,36,496 रुपए किलो पर आ गई है। वहीं 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 1,42,270 रुपए पर आ गया है। वायादा बाजार यानी मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर सोने के दाम में दो दिन में 30 हजार रुपए की गिरावट हुई है।

29 जनवरी को ये 1.69 लाख रुपए पर पहुंच गया था, जो आज 1.40 लाख रुपए पर ट्रेड कर रहा है। चांदी की कीमत में 1.60 लाख रुपए की गिरावट हुई है। 29 जनवरी को ये 4.01 लाख रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी, जो आज 2.40 लाख रुपए पर ट्रेड कर रही है।

सेबी रजिस्टर्ड कमोडिटी एक्सपर्ट अनुज गुप्ता ने कहा कि शिकागो मर्केंटाइल एक्सचेंज (CME) ने कॉपर के बाद अब सोने और चांदी पर भी मार्जिन मनी बढ़ा दी है।

पाकिस्तानी नेता बोले- हमारा जीरो-टैरिफ हनीमून खत्म, अरबों डॉलर के नुकसान का खतरा

भारत-ईयू डील से पाकिस्तान में 1 करोड़ नौकरियां खतरे में

इस्लामाबाद, एजेंसी

भारत और यूरोपियन यूनियन (EU) के फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) से पाकिस्तान में 1 करोड़ नौकरियां खतरे में हैं। उसे अरबों डॉलर के नुकसान का भी डर है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान ने इस समझौते को लेकर गुरुवार को कहा कि वह EU के अधिकारियों के संपर्क में है। वो ये समझने की कोशिश कर रहा है कि भारत-EU FTA का उसके निर्यात पर क्या असर पड़ेगा।

वहीं, पाकिस्तान के पूर्व वाणिज्य मंत्री गोहर एजाज ने सोशल मीडिया पर लिखा- EU के साथ पाकिस्तान का 'जीरो-टैरिफ हनीमून' खत्म हो गया है और करीब एक करोड़ नौकरियां खतरे में हैं। सरकार उद्योगों को सस्ती बिजली, कम टैक्स और आसान कर्ज दे, ताकि वे दूसरे देशों की इंडस्ट्री से मुकाबला कर सकें।

भारत और (ईयू) ने 27 जनवरी को एफटीए पर साइन किए थे। इस समझौते से दो ऐसी अर्थव्यवस्थाएं एक साथ आई हैं, जो दुनिया की लगभग एक-चौथाई आबादी, 25% ग्लोबल जीडीपी और करीब 2 अरब लोगों का साझा मार्केट बनाती हैं।

EU पाकिस्तान का सबसे बड़ा एक्सपोर्ट मार्केट है। ऐसे में पाकिस्तान के कारोबारी वर्ग को डर है कि इस समझौते के बाद वह यूरोपीय बाजार में अपनी पकड़ खो सकता है और दूसरे देशों से मुकाबला और कठिन हो जाएगा। ऑल पाकिस्तान टेक्सटाइल मिल्स एसोसिएशन के प्रमुख कामरान अरशद ने कहा कि भारत अब यूरोपीय बाजार में काफी ज्यादा प्रतिस्पर्धी हो गया है। कई सेक्टर्स में पाकिस्तान की GSP प्लस बढ़त खत्म हो चुकी है। FPCCI के उपाध्यक्ष साकिब फैयाज मगून ने कहा कि जैसे ही भारत को EU में बिना टैक्स के पहुंच मिलेगी, पाकिस्तान की बढ़त खत्म हो जाएगी और उसके निर्यात को भारी नुकसान हो सकता है। उन्होंने कहा कि एक बार बाजार हाथ से निकल गया, तो उसे वापस पाना बहुत मुश्किल होता है।

यूरोपीय मार्केट में पाकिस्तान की बढ़त खत्म होने का खतरा

पाकिस्तान इस डील से परेशान इसलिए है क्योंकि लंबे समय से उसे यूरोपीय मार्केट में भारत पर बढ़त हासिल थी। इसकी वजह EU की GSP प्लस योजना थी। इस योजना के तहत पाकिस्तान को अपने करीब 66% उत्पादों को बिना टैक्स के यूरोप भेजने की सुविधा मिली हुई थी।

इसमें कपड़ा और रेडीमेड कपड़े जैसे सामान शामिल थे। वहीं भारत को ऐसे ही सामान पर 9 से 12% तक टैक्स देना पड़ता था। इसके बावजूद पाकिस्तान का टेक्सटाइल एक्सपोर्ट 6.2 अरब डॉलर रहा, जबकि भारत का टेक्सटाइल एक्सपोर्ट 5.6 अरब डॉलर का था। अब भारत और EU के बीच हुआ यह फ्री ट्रेड एग्रीमेंट, जिसे 'मदर ऑफ ऑल डील्स' कहा जा रहा है, भारत को यूरोप में बिना टैक्स के बड़ा बाजार देता है। इससे पाकिस्तान की वह बढ़त लगभग खत्म हो जाती है।

इसके साथ ही पाकिस्तान की GSP प्लस सुविधा, जो उसे 2014 में मिली थी, दिसंबर 2027 में खत्म होने वाली है। अगर इसे आगे नहीं बढ़ाया गया, तो पाकिस्तान को यूरोप में मिलने वाली यह खास व्यापार सुविधा पूरी तरह खत्म हो सकती है।

चेतावनी देकर दवाएं नष्ट कर रहे, महिलाओं को प्रेग्नेंसी और मिसकैरेज में इलाज नहीं मिल पा रहा

तालिबान ने गर्भनिरोधक गोलियों पर रोक लगाई

काबुल, एजेंसी

अफगानिस्तान में तालिबान सरकार ने महिलाओं के लिए गर्भनिरोधक गोलियों के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। तालिबानी डॉक्टरों को धमकी देते हैं कि दवा दी तो क्लीनिक बंद करा देंगे।

देशभर में क्लीनिक भी बंद हो रहे हैं। महिलाओं को गर्भधारण या मिसकैरेज का इलाज नहीं मिल पा रहा। बदगीस प्रांत की एक निजी क्लीनिक में चेतावनी देते हुए सभी दवाएं नष्ट कर दी गईं।

जवजजान प्रांत में 30 साल से क्लीनिक चला रही एक डॉक्टर कहती हैं, तालिबान के सत्ता आने के बाद गर्भनिरोधक गोली तेजी से खत्म हो रही हैं। यहां 70 में से 30 महिलाओं को इसकी जरूरत होती थी, अब हम कह देते हैं कि हमारे पास कुछ भी नहीं है। कंधार प्रांत सहित कई जगहों पर सीधे पुरुष डॉक्टरों से इलाज लेने पर सख्ती है। अफगानिस्तान में तालिबान ने 27 अगस्त 2024 को महिलाओं को सख्त हिदायत देते हुए उनके घर से बाहर बोलने पर रोक लगा दी थी। इसके साथ ही उन्हें सार्वजनिक जगहों पर हमेशा अपने शरीर और चेहरे को मोटे कपड़े से ढकने का आदेश दिया गया था।

चिकित्सा सुविधा न के बराबर, फंडिंग भी बड़ी समस्या

संयुक्त राष्ट्र और वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (WHO) के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय फंडिंग पिछले साल कम होने से 440 से ज्यादा अस्पताल और क्लिनिक बंद हो गए। ग्रामीण इलाकों में महिलाएं कई घंटे चलकर क्लिनिक तक पहुंचती हैं। महिलाएं अकेले ही घर पर जन्म देती हैं। गर्भवती और स्तनपान कराने वाली 80% महिलाएं कुपोषित हैं। उनमें एनीमिया, विटामिन की कमी और लो ब्लड प्रेशर है।

ये तीन कहानियां, जो उम्रभर का दर्द बढ़ा रहीं

उम्र 36 साल, 9 बच्चेः 36 साल की परवाना अब अपने बच्चों को पहचान ही नहीं पाती। कंधार के गांव में अपनी मां के घर पर बैठी, वह चुपचाप हिलती रहती हैं। नौ बार गर्भवती और छह बार मिसकैरेज हो चुका है। पति और ससुराल वालों के दबाव में परवाना मानसिक और शारीरिक रूप से टूट चुकी हैं। उनकी मां शरीफा कहती हैं, उन्हें डर और लगातार प्रेगनेंसी ने तोड़ दिया है। उम्र 42 साल, 12 बच्चेः कंधार की 42 साल की शकीबा। 12 बच्चों की मां हैं। वे बताती हैं कि अब उन्हें उठना भी मुश्किल होता है। हड्डियों में दर्द रहता है। पति किसी भी गर्भनिरोधक को लेने से साफ मना कर देते हैं।

29 साल की उम्र में ही हालत बदतर : 29 साल की जरघोना भूकंप के बाद तंबू में रहने लगी थीं। लगातार तीन दिन टॉयलेट नहीं जा सकीं। उन्हें आंत की समस्या हुई। डॉक्टरों ने चेताया कि अब गर्भवती हुई, तो जान जा सकती है। लेकिन एक साल बाद फिर गर्भ ठहर गया। बच्चे को जन्म दिया।

'इतनी सस्ती नहीं हमारे खून की कीमत'

बलूच बागी बने पाक सेना के लिए नासूर

नई दिल्ली, एजेंसी

बलूच विद्रोही ग्रुप बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने दावा किया है कि उसका ऑपरेशन हेरोफ फेज 2 बलूचिस्तान के कई जिलों में जारी है। इस ऑपरेशन को लॉन्च किए हुए 40 घंटे से भी ज्यादा समय हो गया है। बीएलए ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों को भारी नुकसान पहुंचाने और कई इलाकों पर कंट्रोल होने का भी दावा किया है।

इसको लेकर बीएलए के प्रवक्ता जीयांद बलूच ने दो बयान भी जारी किए। विद्रोही ग्रुप ने कहा है कि उसके लड़ाकों ने खारान, मस्तुंग, टुम्प और पसनी समेत कई इलाकों में ऑपरेशन पूरे कर लिए हैं। ग्रुप ने यह भी दावा किया कि उसके लड़ाके क्वेटा और नोशकी के कुछ हिस्सों में मौजूद थे। यहां से इस्लामाबाद की

मिलिट्री मौजूदगी को पीछे धकेल दिया गया है।

बीएलए के दावों को अगर मानें तो पाकिस्तान सेना, पुलिस और फ्रंटियर कॉर्प्स के 200 से ज्यादा जवान मारे गए हैं और कम से कम 17 लोगों को पकड़ा गया है। ग्रुप ने इन आंकड़ों को शुरुआती और सावधानी भरे अनुमान बताया है। इससे पता चलता है कि असल नुकसान ज्यादा रहा होगा।

हालांकि, इन दावों की पुष्टि तो नहीं हुई है, लेकिन बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने कहा कि हमलों में 17 कानून प्रवर्तन कर्मी और 31 नागरिक मारे गए।

कटौती : अब 60 करोड़ देंगे, मालदीव-म्यांमार का भी फंड कटा, भूटान को बढ़ाकर 2,288 करोड़ किया

भारत ने बांग्लादेश की मदद घटाकर आधी की

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत सरकार ने केंद्रीय बजट 2026-27 में बांग्लादेश को दी जाने वाली मदद में बड़ी कटौती की है। इस साल बांग्लादेश के लिए सिर्फ 60 करोड़ रुपए रखे गए हैं, जबकि पिछले साल 120 करोड़ रुपए दिए गए थे। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में तनाव चल रहा है। इसकी वजह बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदू समुदाय के खिलाफ हो रही हिंसा और वहां की विदेश नीति में बदलाव है। 2024 में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद बांग्लादेश ने पाकिस्तान से संबंध मजबूत करने शुरू किए हैं।

बांग्लादेश के अलावा मालदीव को 550 करोड़ रुपए मिलेंगे, लेकिन यह पिछले साल से कम है। म्यांमार के लिए 300 करोड़ रुपए रखे गए हैं, जो पहले से कम हैं। इस बजट में भारत ने भूटान के लिए 2,288.55 करोड़ रुपए रखे हैं, जो पिछले साल से करीब 138 करोड़ रुपए ज्यादा हैं।

भारत ने पिछले बजट में बांग्लादेश के लिए 120 करोड़ रुपए रखे थे, ये रकम इस बार आधी कर दी गई है।

विदेश मंत्रालय ने 29 जनवरी को राज्यसभा को बताया कि भारत सरकार बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों की खबरों पर लगातार नजर रखे हुए है। इन हमलों में उनके घरों, दुकानों, संपत्तियों और पूजा स्थलों को निशाना बनाया गया है।

विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि भारत ने कई बार राजनीतिक और कूटनीतिक स्तर पर बांग्लादेश सरकार के सामने अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया है। उन्होंने यह भी बताया कि पीएम मोदी ने 4 अप्रैल 2025 को बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस से मुलाकात के दौरान यह मामला उठाया था।

विदेश मंत्रालय का कुल बजट 22 हजार करोड़ से ज्यादा

भारत सरकार ने 2026–27 के लिए विदेश मंत्रालय का कुल बजट करीब 22,118 करोड़ रुपए रखा है। इसमें दफ्तर चलाने का खर्च और दूसरे जरूरी कामों का पैसा दोनों शामिल हैं। यह रकम पिछले साल के मुकाबले थोड़ी ज्यादा है।

विदेश मंत्रालय के तहत सचिवालय, विदेशों में बने दूतावास और मिशन, पासपोर्ट और इमीग्रेशन से जुड़े कामों पर भी पैसा खर्च होता है। इन सब पर सरकार करीब 9,500 करोड़ रुपए खर्च करेगी। इसके अलावा भारत दूसरे देशों को आर्थिक मदद भी देता है। इसके लिए 2026–27 के बजट में 5,685.56 करोड़ रुपए रखे गए हैं। यह रकम पिछले साल से लगभग 100 करोड़ रुपए कम है। पिछले साल यानी 2025–26 में इस मद के लिए 5,785.40 करोड़ रुपए रखे गए थे।

"भारत ने बजट में अफ्रीकी देशों के लिए 225 करोड़ रुपए, लैटिन अमेरिकी देशों के लिए 120 करोड़ रुपए और यूरेशियन देशों के लिए 38 करोड़ रुपए रखे हैं। हालांकि ये स्पष्ट नहीं है कि इन रीजन के किस देश को कितना पैसा दिया जाएगा।

'अमेरिका का अच्छा सहयोगी नहीं भारत'

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका में भारतीय मूल की रिपब्लिकन नेता और साउथ कैरोलिना की पूर्व गवर्नर निक्की हेली के बेटे नलिन हेली ने एक विवादित बयान दिया है।

24 साल के नलिन हेली ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'भारत अमेरिका का भरोसेमंद पार्टनर नहीं रहा।' नलिन ने आगे लिखा, 'वॉशिंगटन को उन कई देशों के साथ अपने रिश्तों पर फिर से विचार करना चाहिए जिन्हें वह अपना सहयोगी मानता है।'

नलिन हेली ने एक्स पर लिखा, भारत अमेरिका का अच्छा सहयोगी नहीं रहा है। वे अमेरिका में सस्ते मजदूर भेजते हैं, ईरान से सस्ता तेल खरीदते हैं और रूस से सस्ते हथियार खरीदते हैं क्योंकि उनकी सरकार सस्ती है।'

24 साल के हेली ने आगे कहा, 'यह सिर्फ भारत की बात नहीं है। अमेरिका को अपने कई सहयोगियों के साथ रिश्तों का फिर से मूल्यांकन करने की जरूरत है।'

निक्की हेली के बेटे ने 'सस्ती' लोकप्रियता के लिए दिया बयान

हेली ने यह विवादित बयान अमेरिकी एंटरप्रेन्योर और राजनेता विवेक रामास्वामी के एक पुराने वीडियो के जवाब में दिया है। विवेक रामास्वामी ने वीडियो में अमेरिका के चीन से दूर होने और भारत के साथ करीबी संबंध बनाने का समर्थन किया था।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96